तापमान

अधिकतम-23^0C

न्यूनतम-08^0C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

सांसद खेल महाकुंभ का शुभारंभ,कार्यक्रम में जेपी नड्डा और सीएम योगी रहे मौजूद 3

अशरफ के करीबी नफीस बिरयानी की मौत की होगी मजिस्ट्रियल जांच, जेल प्रशासन ने शासन को भेजी रिपोर्ट 4

वर्ष : 09 अंक : 256 प्रयागराज, गुरुवार 21 दिसम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ट : 4 मूल्य: 3 रूपये

बेइज्जती बर्दाश्त कर लूंगा लेकिन कभी सहन नहीं करूंगा कि कोई उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाऐ : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि कोई कितनी भी उनकी बेइज्जती कर ले, उसे वह 'खून के घूंट पी कर सहन कर लेते हैं लेकिन वह कभी यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि कोई उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाए। संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही कई दफा बाधित होने के बाद ग्यारह बजकर 45 मिनट पर पुनः आरंभ हुई तो कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने फिर एक बार विपक्ष की मांग दोहराई। इस पर सभापति धनखड़ ने संसद परिसर में कुछ सांसदों की ओर से 'अशोभनीय आचरण किए जाने की घटना की ओर से इशारा करते हुए कहा कि सिंह को इस बात का अंदाजा भी नहीं है कि उन्हें कितनी पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा, ''आपकी चुप्पी मेरी कानों में गूंज रही है... खरगे जी की चुप्पी मेरी कानों में गूंज रही है...वह नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के अध्यक्ष हैं... सबको पता है कि क्या कुछ हो रहा है। आपको अंदाजा होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति वीडियोग्राफी कर आनंद लेता है... हरकतें करता है... ये संस्कार हैं क्या आपके? यहां तक स्तर आ गया क्या? इस दौरान, बार-बार सिंह कुछ कहते रहे जबकि सत्ता पक्ष के सदस्य अपने स्थानों पर खड़े हो कर 'शेम-शेम कहने लगे। धनखड़ ने कहा, ''दिग्विजय सिंह जी, मेरी बात सुन लीजिए। जगदीप धनखड़ की कितनी बेइज्जती करो, मुझे कोई चिंता नहीं है। भारत के उपराष्ट्रपति की, किसान समाज की, मेरे वर्ग की... नहीं .. मैं पूरी आहुति दे दूंगा हवन में। मैं खुद की परवाह नहीं करता। मेरी बेइज्जती कोई करता है तो मैं सहन करता हूं। खून के घूंट पीता हूं। पर मैं यह बर्दाश्त कभी नहीं करूंगा कि मेरे पद की गरिमा को मैं सुरक्षित नहीं रख पाया। इस सदन की गरिमा को सुरक्षित रखना मेरा काम है। इस पद की गरिमा बनाए रखना मेरा काम है। सभापति ने सिंह से कहा कि वह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या हुआ है? सिंह ने धनखड़ से आग्रह किया कि वे उनकी भी सुनें। इस पर धनखड़ ने कहा कि वह उनकी सुनते, यदि वह एक फोन कर और उनसे घटना का उल्लेख करते। सभापति ने कहा, ''... अपने बीच दशकों तक फोन से वार्तालाप होता रहा है। इतनी बड़ी घटना हो गई... पद की गरिमा पर आघात हुआ... किसान समाज को बेइज्जत कर दिया, मेरी जाति को अपमानित कर दिया और आप चुप रहे... आपके अध्यक्ष चुप रहे। इसके बाद सभापति ने कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। उल्लेखनीय है कि संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने पर दोनों सदनों से 90 से अधिक विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कल मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सदन की 'मॉक कार्यवाही का आयोजन किया था। निलंबित सांसदों ने संसद के नए भवन के मकर द्वार पर धरना दिया।

मिमिक्री एक कला, पीएम मोदी भी कई बार उतार चुके हैं नकल, धनखड़ मामले पर बोले कल्याण बनर्जी

नई दिल्ली। संसद परिसर में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने के बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी विवादों में घिर गए हैं। बीजेपी ने टीएमसी सांसद की हरकत को लेकर निंदा की। उच्च सदन के सभापति ने भी नकल को गंभीरता से लिया और इस पर नाराजगी व्यक्त की। हर तरफ अपनी आलोचना होता देख कल्याण बनर्जी ने बुधवार को अपने आचरण पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी को चोट पहुंचाने का नहीं था। इसके अलावा उन्होंने कहा ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पीएम मोदी भी संसद की कार्यवाही के दौरान ऐसा कर चुके हैं। बुधवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, ष्मिमिक्री एक कला है, जिसे मैंने किया। मेरा इरादा किसी को चोट पहुंचाने का नहीं था। मुझे नहीं पता कि वह इसे अपने ऊपर क्यों ले रहे हैं। अगर ऐसा है वाकई है तो क्या वे राज्यसभा के भीतर इस तरह से पेश आते हैं? मैं धनखड़ साहब का बहुत सम्मान करता हूं। वह भी एक वरिष्ठ वकील हैं, मैं भी हूं। मेरे मन में धनखड़ जी के लिए बहुत सम्मान है। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए टीएमसी सांसद ने कहा, यहां तक कि पीएम मोदी ने 2014 और 2019 के बीच लोकसभा में विपक्षी नेताओं की नकल की है। मैं इसका वीडियो भी दिखा सकता हूं। जब पीएम मोदी ने ऐसा किया तो सभी ने इसे हास्य के रूप में लिया, गंभीरता से नहीं। अब, अगर वे हैं मेरे मामले में इसे गंभीरता से लेते हैं तो मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता।

20 वर्षों से मैं भी अपमान सह रहा हूं, मिमिक्री मामले पर पीएम मोदी ने धनखड़ को फोन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को फोन किया और संसद परिसर में कुछ सांसदों की ओर से 'अशोभनीय आचरण करते हुए उनका मजाक उड़ाए जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर किए गए एक पोस्ट में धनखड़ ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का फोन आया और उन्होंने कल संसद के पवित्र परिसर में कुछ माननीय सांसदों द्वारा प्रदर्शित की गयी अपमानजनक नाटकीयता पर अत्यंत दुख व्यक्त किया। पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने धनखड़ से कहा कि वह स्वयं पिछले 20 वर्षों से इस तरह का अपमान सहते आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''लेकिन देश के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में... ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। धनखड़ ने प्रधानमंत्री से कहा कि कुछ लोगों की 'बेतुकी हरकतें उन्हें अपना कर्तव्य निभाने और संविधान में निहित सिद्धांतों का सम्मान करने से नहीं रोक सकती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध हूं और इस प्रकार के अपमान मुझे अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकते। संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने पर दोनों सदनों से 90 से अधिक विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कल मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सदन की 'मॉक कार्यवाही का आयोजन किया था। निलंबित सांसदों ने संसद के नए भवन के मकर द्वार पर धरना दिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा, सदनों की कार्यवाही का संचालन किए जाने की नकल उतारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, बनर्जी द्वारा कार्यवाही के संचालन की नकल उतारे जाने का मोबाइल फोन से वीडियो बनाते देखे गए।राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष की नकल उतारे जाने की घटना पर मंगलवार को गहरी आपत्ति जताते हुए इसे अस्वीकार्य करार दिया था। धनखड़ ने कहा था कि यह एक किसान और एक समुदाय का अपमान मात्र नहीं है, यह राज्यसभा के सभापति के पद का निरादर है और वह भी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी के सदस्य द्वारा, जिस पार्टी ने इतने लंबे समय तक देश पर शासन किया हो।

इंडिया ब्लॉक की ओर से पीएम चेहरे के तौर पर दिया गया खड़गे का नाम: ममता बनर्जी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्होंने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलाइंस (इंडिया) ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया। ममता बनर्जी ने मंगलवार को इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक में भाग लिया था। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हां, मैंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया है। अरविंद केजरीवाल ने भी मेरे प्रस्ताव का समर्थन किया।उन्होंने कहा कि चूंकि हर कोई प्रधानमंत्री पद के चेहरे का नाम पूछता है इसलिए हमने अपने प्रस्ताव के तौर पर खड़गे का नाम प्रस्तावित किया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, हमने उनके नाम का समर्थन किया क्योंकि हमें इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में खड़गे के चेहरे पर कोई आपत्ति नहीं है और केजरीवाल ने इसका समर्थन किया।वह इस सवाल का जवाब दे रही थीं कि क्या उन्होंने इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़गे का नाम प्रस्तावित किया है। जब उनसे आगे पूछा गया कि क्या बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार उनके इस कदम से नाराज हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक की मंगलवार की बैठक के दौरान 31 दिसंबर तक सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने की समय सीमा भी तय की है, जिसमें सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे और कुल 28 नेताओं में से कई अन्य दलों के नेता भी शामिल हुए। इंडिया गठबंधन की पहली बैठक 23 जून को बिहार के पटना में हुई जबकि विपक्षी दलों की दूसरी बैठक 17 और 18 जुलाई को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुई। इस साल 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक के दौरान 14 सदस्यीय समन्वय समिति और 19 सदस्यीय चुनाव रणनीति समिति की घोषणा की गई। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर केंद्र में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए करीब 28 पार्टियां एक साथ आई हैं। बैठक के दौरान हर नेता को अपने विचार और सुझाव साझा करने का मौका मिला।

खबरें एक नजर में

दिल्ली: मेट्रो ट्रेन हादसे में महिला की मौत पर परिजनों को 15 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला के परिजन को दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) 15 लाख रुपये का मुआवजा देगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा कि 14 दिसंबर, शनिवार को हुई इस घटना में प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि कपड़े ट्रेन में फंसने के कारण महिला यात्री को काफी चोटें आईं और बाद में उसकी मौत हो गई। मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) इस घटना की जांच कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि मेट्रो रेलवे (दावे की प्रक्रिया) नियम, 2017 के प्रावधानों के अनुसार, मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया है, ''इसके अलावा, मृतका के बच्चों को मानवीय सहायता के रूप में 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जाएगी। चूंकि दोनों बच्चे नाबालिग हैं, इसलिए कानूनी उत्तराधिकारी को राशि सौंपने के लिए डीएमआरसी कानूनी तौर-तरीकों पर गौर कर रहा है। यह भी कहा गया कि डीएमआरसी दोनों बच्चों की शिक्षा भी सुनिश्चित करेगा। डीएमआरसी ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम भी गठित की है जो सभी आवश्यकताओं को शीघ्रता से पूरा करने के लिए मामले को देखेगी। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह भी निर्देश दिया है कि बच्चों की देखभाल तथा शिक्षा दिल्ली मेट्रो प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जाए।

लोकसभा से दो और सांसदों को किया गया सस्पेंड, अब तक 143 पर हुआ एक्शन

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर लोकसभा में विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी है। लोकसभा में तख्तियां दिखाने और सदन की अवमानना करने को लेकर बुधवार को दो विपक्षी सदस्यों सी थॉमस और ए एम आरिफ को संसद सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। अभी तक लोकसभा और राज्यसभा के 143 सासंदों को निलंबित किया चुका है।सदन की अवमानना के मामले में अब तक कुल 97 लोकसभा सदस्यों को निलंबित किया जा चुका है। इससे पहले गत सप्ताह बृहस्पतिवार को 13 सदस्यों, सोमवार को 33 तथा मंगलवार को 49 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। आपराधिक कानूनों से संबंधित तीन विधेयकों पर चर्चा के बीच में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष के दो सदस्यों - सी. थॉमस और ए.एम. आरिफ का नाम लेकर उन्हें आसन की अवमानना को लेकर संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। आरिफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के और सी. थॉमस केरल कांग्रेस के सांसद हैं।

30 साल बाद सामने आई मुंबई हमले के आतंकी टाइगर मेमन की तस्वीर, दाऊद के पास बसाया अपना ठिकाना

मुंबई । मुंबई 1993 सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपी टाइगर मेनन की 30 साल बाद नई फोटो सामने आई है। एक हिंदी न्यूज चौनल के हवाले से टाइगर मेनन दाऊद की तरह ही कराची के डिफेंस एरिया में बने एक आलीशान बंगले में रहता है। बंगले के चारों ओर कड़ी सुरक्षा रहती है. यह पूरा एरिया सीसीटीवी की निगरानी में है। टाइगर मेमन का असली नाम इब्राहिम मेमन है। बता दें कि टाइगर का पूरा परिवार मुंबई का रहने वाला है। टाइगर मेमन के परिवार का मुखिया अब्दुल रज्जाक मेमन जो एक कारोबारी थे. वह अपनी पत्नी हनीफा और छह बेटों के साथ मुंबई के भिंडी बाजार इलाके में रहता था और परिवार का सबसे छोटा बेटा इब्राहिम उर्फ टाइगर मेमन 80 के दशक में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ मिल गया और काले धंधे का काम फैलाने लगा। इतना ही नहीं टाइगर मेमन ने अपने दूसरे भाई याकूब मेमन जोकि एक चार्टेड अकाउंटेंट था उसे भी अपने साथ शामिल कर लिया। इसके बाद देश को हिला देने वाला मुंबई में 12 अप्रैल 1993 के दिन स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग से शुरू होकर अलग-अलग जगहों पर 12 धमाकेकिए गए इस सीरियल ब्लास्ट में 257 लोग मारे गए थे और 700 लोग घायल हुए। इन धमाकों का मास्ट माइंड दाऊद इब्राहिम था।

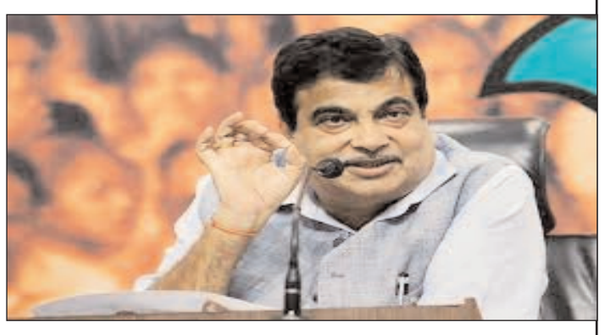

नितिन गडकरी का ऐलान, इस मामले में अमेरिका की बराबरी करेगा भारत, लग जाएंगे 5 साल

तिरुवनंतपुरम। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान कर दिया है कि भारत आने वाले समय में सड़कों के मामले में अमेरिका की बराबरी कर लेगा। उन्होंने कहा है कि भारत का लक्ष्य अगले पांच साल में अपने सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के बराबर करने का है। उन्होंने कहा कि एक व्यापक रणनीति के तहत सरकार महानगरों की भीड़ को कम करने, यात्रा के समय को घटाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए काम कर रही है। गडकरी ने बताया कि पिछले नौ साल में उनके मंत्रालय ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आवंटित की हैं और मौजूदा नीतियों को बेहतर कर अनुबंध मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है। मंत्री ने कहा, ''किसी भी ठेकेदार को अनुबंध की मंजूरी के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है। हम पारदर्शी, समयबद्ध, परिणामोन्मुख और गुणवत्ता के प्रति जागरूक हैं और तेजी से निर्णय लेते हैं। हम मंत्रालय, ठेकेदारों और बैंकरों को एक परिवार मानते हैं। मनोरमा ईयरबुक-2024 में प्रकाशित एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, ''हम अच्छे काम को प्रोत्साहित करते हैं और यही कारण है कि हमारे पास सात विश्व रिकॉर्ड हैं। यह मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि पांच साल बाद हमारा सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का भविष्योन्मुखी विकास देश की जरूरत है। भारत को घरेलू और विदेशी दोनों स्रोतों से पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इससे गरीबी दूर होगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। देश के वाहन क्षेत्र का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा, भारत का वाहन उद्योग हाल में जापान को पीछे छोड़कर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

गुलामी की मानसिकता मिटाने को तैयार है सरकार, तीन क्रिमिनल लॉ बिल पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि तीन आपराधिक कानूनों के स्थानों पर लाए गए विधेयक गुलामी की मानसिकता को मिटाने और औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति दिलाने की नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। शाह ने भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि 'व्यक्ति की स्वतंत्रंता, मानव के अधिकार और सबके साथ समान व्यवहारश् रूपी तीन सिद्धांत के आधार पर ये प्रस्तावित कानून लाए गए हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कांग्रेस पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि 'अगर मन इटली का है तो ये कानून कभी समझ नहीं आएगा, लेकिन अगर मन यहां का है तो समझ आ जाएगा। गृह मंत्री का कहना था कि आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव किया जा रहा है जो भारत की जनता का हित करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुलामी की मानसिकता को मिटाने की दिशा में काम किया है...प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि औवनिवेशिक कानून से मुक्ति मिलनी चाहिए और इसी के तहत गृह मंत्रालय ने कानूनों को बदलने के बारे में काम करना आरंभ किया। शाह ने कहा कि इन विधेयकों के माध्यम से सरकार ने तीनों आपराधिक कानूनों को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराया है। उनका कहना था, ''पहले के कानूनों के तहत ब्रिटिश राज की सलामती प्राथमिकता थी, अब मानव सुरक्षा, देश की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। शाह ने कहा, ''इस ऐतिहासिक सदन में करीब 150 साल पुराने तीन कानून, जिनसे हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली चलती है, उन तीनों कानूनों में पहली बार मोदी जी के नेतृत्व में भारतीयता, भारतीय संविधान और भारत की जनता की चिंता करने वाले बहुत आमूल-चूल परिवर्तन लेकर मैं आया हूं। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद की व्याख्या अब तक किसी भी कानून में नहीं थी। पहली बार अब मोदी सरकार आतंकवाद की व्याख्या करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार राजद्रोह को देशद्रोह में बदलने जा रही है।

ओडिशा के राज्यपाल ने लोगों की शिकायतों पर नवीन पटनायक को पत्र लिखा

भुवनेश्वर। ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को पत्र लिखकर राज्य के अंगुल और ढेंकनाल जिलों में उनकी हालिया यात्रा के दौरान लोगों द्वारा उनके ध्यान में लाई गई विभिन्न शिकायतों का समाधान करने का आग्रह किया है। दास ने अपने पत्र में कहा कि जब वह 5-7 दिसंबर की अपनी यात्रा के दौरान लोगों से मिले तो उन्होंने उनका ध्यान जमीनी स्तर की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। दास ने लिखा, मैंने हाल ही में ढेंकनाल और अंगुल जिलों का दौरा किया। यह मेरे लिए बहुत विनम्र अनुभव था, क्योंकि मैं जमीनी स्तर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिला। उनके साथ मेरी बातचीत के दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों को सामने रखा, जो यहां संलग्न है। इस पर राज्य सरकार उचित कार्रवाई के लिए विचार कर सकती है। लोगों की शिकायतों में ढेंकनाल के जोरांडा में एक वृद्धाश्रम में भूमि की बंदोबस्ती और सुविधाओं की कमी, अंगुल के बनारपाल ब्लॉक में तुरंगा ग्राम पंचायत में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच के लिए ममता गृह का निर्माण, गंभीर स्वास्थ्य खतरों का सामना करना शामिल है। महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड द्वारा खनन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण और भूजल स्तर में गिरावट के कारण अंगुल जिले के तालचेर ब्लॉक के कंधाबेरिनी गांव के निवासियों को परेशानी हो रही है।इसी तरह, दास को बताया गया कि पुनर्वास और परिधि विकास सलाहकार समिति (आरपीडीएसी) की नियमित बैठकें पिछले दो वर्षों के दौरान नहीं हो रही हैं और स्थानीय लोगों की कई वास्तविक शिकायतों का लंबे समय से समाधान नहीं किया गया है। राज्यपाल ने सरकार से अंगुल के हाकिमपारा में बाजी राउत छत्रबास को आवश्यक सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया। इस बीच, भाजपा नेता मोहन चरण माझी ने कहा कि राज्यपाल ने अपने स्थल भ्रमण के दौरान विकास की जमीनी हकीकत देखी। माझी ने ओडिशा में 10वीं कक्षा के छात्रों के पढ़ाई छोड़ने का मुद्दा भी उठाया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सोमवार को संसद में कहा था कि ओडिशा में 10वीं कक्षा में ड्रॉपआउट दर 49.9 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत दर 20.6 प्रतिशत है।

मालदीव घूम कर आए एक ही परिवार के दो लोग कोरोना पॉजिटिव...राज्यों में अलर्ट जारी

इंदौर। मालदीव की यात्रा के बाद गृह नगर इंदौर लौटे एक ही परिवार के दो लोग हफ्ते भर के भीतर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। समेकित रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) की जिला इकाई के नोडल अधिकारी डॉ. अमित मालाकार ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों में एक 33 वर्षीय महिला और एक 38 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर को कोरोना वायरस संक्रमित मिली महिला उसके घर में पृथक-वास (होम आइसोलेशन) में रखे जाने की सात दिन की अवधि पूरी कर चुकी है, जबकि पुरुष के बारे में 18 दिसंबर को पता चला कि वह भी इस महामारी की जद में है।मालाकार ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पुरुष अब भी अपने घर में पृथक-वास में है। उन्होंने बताया,''दोनों मरीज एक-दूसरे के नजदीकी रिश्तेदार हैं और कुछ दिन पहले मालदीव की यात्रा से लौटे थे।

लोकतंत्र का तमाशा और इंडिया की राह

हमें पहले जीतकर आना होगा, उसके बाद लोकतांत्रिक तरीके से हमारे चुने हुए सांसद तय कर लेंगे कि प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा। ये महत्वपूर्ण बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दिया है। इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक मंगलवार 19 दिसम्बर को दिल्ली में हुई, जिसमें गठबंधन के सभी 28 दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भाजपा के खिलाफ बने इस विपक्षी गठबंधन की इस बार की बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण थी। मुंबई में हुई तीसरी बैठक के बाद अब जाकर हुई इस चौथी बैठक में काफी लंबा अंतराल रहा, और इस दरम्यान इंडिया गठबंधन को लेकर जितने किस्म की अफवाहें मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए फैलाई जा सकती थीं, वो सब फैलाई गईं। इन अफवाहों में दस बार इंडिया गठबंधन में टूट पड़ी, उसके नेताओं की राहें अलग हो गईं, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जैसे नामों को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताते हुए यह भी कहा गया कि ये सब कांग्रेस के खिलाफ एक हो सकते हैं। इस बीच हुए विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच हुए मतभेद को सीधे अखिलेश यादव की कांग्रेस को चुनौती के तौर पर पेश किया जाने लगा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार को सीधे इंडिया की हार से जोड़ा गया और लगे हाथ ये तर्क भी दिया गया कि अब इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका कमतर हो जाएगी। अब तक कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन अब बाकी दल उसकी बात नहीं सुनेंगे। लेकिन ये तमाम दावे मंगलवार को तब खोखले साबित हो गए, जब बैठक के बाद सभी दलों ने श्री खड़गे को ही प्रेस को संबोधित करने के लिए कहा। इससे पहले खबर ये भी आई कि बैठक में ममता बनर्जी ने गठबंधन के संयोजक पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम को प्रस्तावित किया और अरविंद केजरीवाल ने उसका समर्थन किया। हालांकि अभी संयोजक पद के लिए किसी नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन जिन ममता बनर्जी के लिए कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस को अग्रणी भूमिका में नहीं आने देना चाहती हैं, उन्होंने ही श्री खड़गे के नाम को आगे बढ़ाकर ये बता दिया कि आने वाले लोकसभा चुनावों में इंडिया का नेतृत्व कांग्रेस ही मुख्य रूप से करेगी। गौरतलब है कि बैठक के लिए इससे पहले दिल्ली पहुंची ममता बनर्जी ने बयान दिया था कि इंडिया के प्रधानमंत्री उम्मीदवार का फैसला 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद किया जाएगा। इस सीधे बयान को जबरदस्ती तोड़-मरोड़ कर अन्य अर्थों में पेश किया जा रहा था। जबकि सुश्री बनर्जी और श्री खड़गे एक जैसी बात ही कह रहे हैं। दरअसल इस समय देश में जो राजनैतिक माहौल बन चुका है, उसमें इंडिया गठबंधन के सभी दलों को यह स्पष्ट हो चुका है कि उनके लिए एकजुट रहना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, बाकी सारी बातें दोयम हैं। यही बात अब देश की जनता को भी समझने की जरूरत है। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक साथ 151 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए मदर ऑफ डेमोक्रेसी की उपमा देते हैं, लेकिन आज उसी भारत में मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी जैसा नजारा बन चुका है। लोकतंत्र तभी जिंदा कहलाएगा, जब सत्ता पक्ष के साथ संसद में विपक्ष भी मौजूद हो। जब विपक्ष को सवाल पूछने और सत्ता से जवाब मांगने पर दंडित किया जाए। जब विपक्ष की गैरमौजूदगी में बिना चर्चा के महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कर कानून बनाने का रास्ता तैयार हो जाए, तब हम कैसे दावा कर सकते हैं कि हमारे देश में लोकतंत्र जिंदा है। संसद तक पहुंचा एक-एक प्रतिनिधि कम से कम अपने संसदीय क्षेत्र के 15-20 लाख लोगों की आवाज बनता है। अब हिसाब लगा लीजिए कि 151 सांसदों को निलंबित कर एक झटके में कितने करोड़ लोगों की आवाज को मोदी सरकार ने खामोश करवा दिया। प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ वक्त से मेरे देशवासियों, मित्रो या भाइयो-बहनो की जगह मेरे परिवारजनो का संबोधन जनता को देते हैं, तो उनसे पूछा जाना चाहिए कि अपने परिवार के करोड़ों लोगों की जुबान पर ताला लगवाकर आखिर कौन से परिवार धर्म का पालन किया जा रहा है। संसद का नया भवन जब उद्घाटित हुआ था तब श्री मोदी ने विपक्ष को मिलकर साथ चलने की नसीहत दी थी, रोना-धोना छोड़ने कहा था। उनके शब्दों के वास्तविक अर्थ शायद अब जाकर खुले हैं कि असल में प्रधानमंत्री विपक्ष को आगाह कर रहे थे कि संसद में बहस और चिंतन, सवाल और जवाब की परिपाटी पुराने भवन में ही स्मारक की तरह सजा दी गई है, नए भवन में यह सब नहीं होगा, केवल मन की बात होगी। जो कोई मन की बात सुनने से इंकार करेगा, उसे लोकतंत्र पर अच्छा लेक्चर सुनाकर बाहर कर दिया जाएगा। असल में संसद का नया भवन केवल नाम को ही संसद भवन रह गया है, इसे शायद आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र के मकबरे की तरह याद रखें। अगर हम देश की धड़कनों को सुनाने वाली संसद को मकबरे में तब्दील होते नहीं देखना चाहते हैं तो फिर हर हाल में लोकतंत्र की परिपाटियों को जिंदा रखना होगा। और इसके लिए केवल कुछ दलों पर जिम्मेदारी नहीं डाली जा सकती है, बल्कि यह देश के हरेक नागरिक, हरेक संस्था, हरेक राजनैतिक दल का कर्तव्य है। लेकिन फिलहाल इंडिया गठबंधन के दल ही लोकतंत्र के लिए बेचैन नजर आ रहे हैं। क्या भाजपा के सभी नेता संसद में जो कुछ हुआ, उससे सहमत हैं। क्या बसपा, एआईएमआईएम, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, बीआरएस, बीजेडी जैसे तमाम दल अब भी लोकतंत्र का तमाशा बनते देख कर चुप रहेंगे। क्या कांग्रेस से उनकी अदावत लोकतंत्र और देश से भी बड़ी है। इन सवालों पर ईमानदारी से जवाब तलाशने होंगे, वर्ना आने वाली पीढ़ियां भारतीय लोकतंत्र को कहानियों में ही सुन पाएंगी।

लोकतंत्र के लिए खतरनाक है थोक में सांसदों का निलम्बन

डॉ. दीपक पाचपोर

सोमवार का दिन भारत के संसदीय इतिहास के सर्वाधिक काले दिनों में से एक कहा जायेगा जब लोकसभा के 78 सदस्यों को निलम्बित कर दिया गया। ये सांसद पिछले बुधवार (13 दिसम्बर) को संसद में कुछ युवकों द्वारा किये गये प्रदर्शन को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़े थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसे सदन के कामकाज में व्यवधान मानते हुए इन्हें सत्र के लिए निलम्बित कर दिया। इसी विषय पर 14 तारीख को लोकसभा के एक तथा राज्यसभा के 13 सदस्यों को भी निलम्बित किया गया था। इस प्रकरण में अलग-अलग तरीकों से व विभिन्न नियमों का हवाला देकर कुल 151 सदस्यों को अब तक निलम्बित कर दिया गया है। थोक के भाव में सांसदों को बाहर का रास्ता दिखलाना यह दर्शाता है कि संसद को पूरी तरह से विपक्ष मुक्त बनाने का अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो चलाया जा रहा है वह अपने चरम पर पहुंच गया है। लोकतंत्र के लिए यह बेहद खतरनाक है। किसी भी जनतांत्रिक प्रक्रिया में इसे अनुचित ही माना जायेगा क्योंकि सदन आखिर बना ही चर्चा के लिए है और विपक्ष का काम सरकार से प्रश्न पूछना ही है। सरकार का दायित्व है कि वह जवाब दे। हंगामे का जो कारण था, वह इस बात के लिए पर्याप्त आधार है कि सांसद उद्वेलित हों। जिस प्रकार से दो लोग लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूद पड़े थे और उनमें से एक व्यक्ति एक से दूसरी बेंच पर छलांगें लगाकर भागता रहा, उससे संसद की सुरक्षा व्यवस्था में गम्भीर खामी सामने आई थी। यह मामला सांसदों की सुरक्षा से तो जुड़ा ही है, इसकी गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह कृत्य संसद पर 22 वर्ष पहले हुए आतंकी हमले के ही दिन हुआ। विदेश में बैठे एक अलगाववादी नेता ने इसी दिन पर हमले की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद जिस तरीके से ये साधारण से दिखने वाले व्यक्ति आये, एक ने पीला धुआं फैलाया और शेष ने सदन के बाहर नारेबाजी की, सारा कुछ अपने आप में मसले की नजाकत व उसे देश की सर्वोच्च पंचायत के भीतर बहस योग्य तो बनाता ही है। फिर, इस पर अगर विपक्ष गृह मंत्री से जवाब नहीं चाहेगा तो और किससे मांग की जायेगी? जिस दिन से यह घटना हुई है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं सदन से गायब हैं। यह मामला तो ऐसा है कि उन्हें खुद ही उपस्थित होकर सदस्यों को संतुष्ट करना था। मजेदार बात तो यह है कि संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुधारने का आश्वासन मोदी सदन के बाहर दे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि कमियों को दूर किया जा रहा है। यह बात उन्हें सदन के भीतर कहने से आखिर क्या गुरेज है, यह समझ से परे है। मोदी व उनकी सरकार का इतिहास ऐसा ही रहा है। 2014 और 2019 में भी बड़ी संख्या में विपक्षी दलों को निलम्बित करने के उदाहरण देश देख रहा है। एक तो वे या उनके जिम्मेदार मंत्री सदन में जवाब नहीं देते और सदन में जब सदस्य इसकी मांग करते हैं तो उन्हें निलम्बित कर दिया जाता है। हाल ही में मणिपुर और गौतम अदाणी के मामलों में भी यही देखा गया। कांग्रेसी नेता राहुल गांधी व टीएमसी की महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी गई। तरीका चाहे जो भी रहा। इस मामले में मोदी की कथनी व करनी में बड़ा अंतर नजर आता है। अभी इसी सत्र के शुरुआती अवसर पर मोदी का आग्रह था कि विपक्ष सकारात्मक रवैया अपनाये। उन्होंने कहा भी था कि प्रतिपक्ष हाल के विधानसभा चुनावों में पराजय का गुस्सा छोड़कर सदन में आये। इससे देश का उनकी ओर देखने का नजरिया भी बदलेगा। यह तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा था लेकिन मोदी ने यह भी कहा था कि विरोधी नेता सरकार की गल्तियां बताएं। उन्होंने विपक्षी दलों को सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था। उसके पहले नये संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर भी प्रधानमंत्री इसी तरह की बातें करते नजर आये थे। अब विपक्ष जब सरकार की खामियां सामने ला रहा है, तो मोदी व शाह सदन में जवाब देने से बचते फिर रहे हैं। यूं तो मोदी परस्पर संवाद के लिए हमेशा अपनी व सरकार की तैयारी बतलाते हैं परन्तु सच्चाई तो यह है कि वे जरूरी मुद्दों पर न तो सदन के भीतर चर्चा कराना चाहते हैं और न ही बाहर। सदन के अंदर जब भी उन्हें कहते सुना गया है तो वह है विपक्ष पर हमला और इतिहास में जाकर पिछले 75 वर्षों की बातें करना। किसी भी विषय पर तार्किक, तथ्यात्मक, आंकड़ों के साथ और बिन्दुवार जवाब देने की बजाये वे संवाद को अनर्गल और कटु मोड़ देते हुए ही दिखाई दिये हैं। सदन के भीतर उनकी कही बातों पर मेजें थपथपाने वाले लोगों का बहुमत है तो बाहर आयोजित होने वाली उनकी सभाओं में पार्टी कार्यकर्ता हैं, जो उनकी तथ्यहीन बातों पर श्मोदी मोदीश् का शोर मचाने में माहिर हैं। सदन के भीतर की ही तरह बाहर भी वे किसी के सवालों का जवाब नहीं देते। प्रेस कांफ्रेंस वे करते नहीं और कभी-कभार वे मीडिया से कोई बात करते भी हैं तो वह एकतरफा। सवाल वे लेते नहीं। तुर्रा यह कि इसके बाद भी वे भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी या दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं। कांग्रेस मुक्त व विपक्ष मुक्त भारत का नारा देने वाले मोदी अपने विरोधियों को जिस योजनाबद्ध तरीके से खत्म कर रहे हैं, उसी के एक विस्तार कार्यक्रम की तरह संसद के दोनों सदनों से थोक के भाव में सदस्यों को निलम्बित किया जा रहा है। कहने को तो यह निलम्बन लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा के सभापति का निर्णय लग सकता है परन्तु इन दोनों का जो व्यवहार देखा गया है उसके मुताबिक दोनों ने सरकार व भाजपा के अंग की तरह यह काम किया है। ये निलम्बन ऐसे वक्त पर हुए हैं जब इस सरकार का यह लगभग अंतिम सत्र है। समझा जाता है कि अगले सत्र में केवल अनुपूरक बजट ही पेश किया जायेगा क्योंकि अप्रैल में आचार संहिता लागू हो सकती है ताकि मई में लोकसभा चुनाव कराये जा सकें। ऐसे में कह सकते हैं कि सरकार का इरादा साफ है कि वह कई महत्वपूर्ण बिल संसद में बिना चर्चा के पारित कराना चाहती है। अभी ही अनेक विधेयक बगैर चर्चा के पास होकर कानून का रूप ले चुके हैं। सरकार का उद्देश्य विरोधी सदस्यों को दोनों सदनों के बाहर ही रखना है। फिर, जैसे कि कयास लगाये जा रहे हैं, कि 22 जनवरी, 2024 को मोदी के हाथों तय किये गये राममंदिर के उद्घाटन के तुरन्त बाद लोकसभा के मध्यावधि चुनावों की घोषणा हो सकती है- इन चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा अपने लिए विरोध-मुक्त वातावरण बनाने में जुटी है। इन तमाम परिस्थितियों को देखते हुए एकदम स्पष्ट है कि दोनों सदनों के संचालक (क्रमशरू अध्यक्ष व सभापति) सरकार के मददगार बनकर काम कर रहे हैं। वे भी नहीं चाहते कि सरकार के सामने कोई भी विपक्ष खड़ा हो जो मोदी, उनकी सरकार व पार्टी को असहज स्थिति में डाल सके। इन तरीकों से हो सकता है कि मोदी अगला चुनाव फिर से जीत जायें परन्तु ऐसे फैसले लोकतंत्र के लिये घातक हैं।

डाटा चोर बनते युवा

आदित्य नारायण

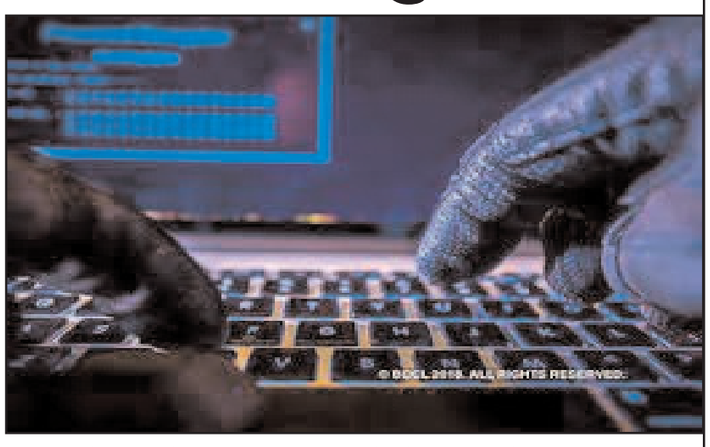

इंटरनेट और डिजिटल युग में डाटा चोरी होना बहुत खतरनाक है। आज के समय में डाटा किसी हीरे-जवाहरात से कम नहीं। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से लेकर ऑनलाइन बैंकिंग तक सब कुछ हमारे डाटा से चल रहा है। डाटा चोरी होने की खबरें हमें मिलती रहती हैं। डाटा लीक तब होता है जब अनधिकृत पार्टियों के हाथ संवेदनशील और गोपनीय डाटा लग जाता है। डाटा लीक होने से लोगों और संस्थानों को वित्तीय नुक्सान हो सकता है। साइबर अपराधी ध्वित्तीय डिटेल का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से धन चुराने, खरीदारी करने या अन्य उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। आजकल निजी जानकारियां, निजी मैसेज, फोटो और वीडियो लीक हो रहे हैं। सोशल मीडिया कंपनियों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे लोगों के व्यवहार से संबंधित डाटा इकट्ठा कर कंपनियों और राजनीतिक पार्टियों को बेचती हैं। पिछले चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका के डाटा का इस्तेमाल करने का आरोप कुछ नेताओं पर भी लगा था। भारत में इन विषयों पर गंभीर बातचीत इसलिए भी नहीं हो पाती है क्योंकि यहां का सामाजिक विज्ञान बुरी तरीके से मार्क्सवादी विचारधारा के असर में है। मार्क्सवादी स्कॉलर बिहेव्यिर साइंस यानि व्यवहारवादी विज्ञान को नहीं मानते। हमारे यहां इतिहास और महापुरुषों के बारे में पढ़ने पर काफी जोर है। इसके उलट व्यवहारवादी विज्ञान लोगों के व्यवहार (पसंद-नापसंद) के अध्ययन से यह देखने की कोशिश करता है कि लोग जैसा सोच रहे हैं और व्यवहार कर रहे हैं, वैसा क्यों कर रहे हैं। सोशल मीडिया से लोगों के व्यवहार के बारे में मिले डेटा का इस्तेमाल कंपनियां अपना समान बेचने के प्रचार और विज्ञापनों में करती हैं और प्रोडक्ट में आवश्यक फेरबदल भी करती हैं। राजनीतिक पार्टियां इस डेटा का प्रयोग यह पता लगाने में करती हैं कि कौन सा सामाजिक समूह किस तरह का राजनीतिक व्यवहार करता है और उसे कैसे अपने पक्ष में मोड़ा जा सकता है ? अब तो भारत में डाटा चोरी करना युवाओं का खेल बन गया है। जल्दी से जल्दी या रात ही रात में धन कमाने की लालसा के चलते शिक्षित युवा भी हैकर्स बनते जा रहे हैं। इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डाटा बैंक से 81 करोड़ भारतीयों का डाटा चोरी होने की खबरों से बवाल मचा था। भारतीय जांच एजेंसियों को करीब दो माह पहले इस डाटा के लीक होने और उसे डार्क वैब पर बेचे जाने का पता चला था। दिल्ली पुलिस ने तीन राज्यों से चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ के दौरान यह भी माना है कि उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फैडरल ब्यूरो ऑफ इनवैसटीगेशन और एक पड़ोसी देश के कम्प्यूटराइज्ड नेशनल आइडेंटिटी कार्ड का डाटा भी चुराया है। पकडे गए चार लोगों में एक ओडिशा का बी-टैक डिग्री धारक युवा है। दो लोग हरियाणा से हैं जिन्होंने स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी है और एक व्यक्ति झांसी का है। खुफिया एजेंसी को जब डार्क वैब पर आधार और पासपोर्ट के रिकार्ड्स का डाटा मिला तब उन्होंने जांच को तेज किया। पकड़े गए चारों युवा एक गेमिंग प्लेटफार्म पर मिले थे। उसके बाद यह चारों दोस्त बन गए फिर इन्होंने जल्दी पैसा कमाने के लिए डाटा चुराकर बेचने का फैसला किया। इस पूरे मामले को और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) को रिपोर्ट किया गया। ये एक नेशनल नोडल एजेंसी है जिसका काम हैकिंग और फिशिंग जैसे साइबर खतरों से निपटना है। इस एजेंसी ने डाटा की प्रामाणिकता जानने के लिए संबंधित विभागों से संपर्क साधा और उन्हें असली डाटा से मिलान करने को कहा। इन विभागों ने पाया कि करीब एक लाख लोगों का डाटा था। इसमें से 50 लोगों का डाटा लेकर उसे वैरीफाई किया गया जो कि असली निकला। देश के कई राज्यों में कई युवाओं को डाटा चुराने के आरोप में पकड़ा गया है। आरोपियों के पास रक्षा कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, पैन कार्ड धारकों, छात्रों, डी मैट खाता धारकों, अमीर व्यक्तियों का डाटा और मोबाइल नंबर शामिल थे। विदेशी हैकर्स ही नहीं जिस तेजी से भारत के युवा हैकर्स बन रहे हैं और तकनीक का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, यह प्रवृत्ति कोई अच्छी नहीं है। अब सवाल यह है कि सरकार कम्पनियों पर तो नकेल कस रही है डाटा सुरक्षित रखने के उपाय भी कर रही है लेकिन आईआईटी में दक्ष युवाओं को डाटा चोरी करने से कैसे रोका जाए और सर्वर में सेंध को कैसे रोका जाए, यह बहुत जरूरी है। डाटा को सुरक्षित बनाने के लिए इसके इको सिस्टम को सुधारना होगा और डाटा सिक्योरिटी को पुख्ता बनाना ही होगा।

आज का राशि फल

मेषः- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

बृषभः- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः- परम्पराओ व संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

ककर्ः- किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत-प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्याः- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुलाः- घर-परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

वृश्चिकः- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका-चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनुः- परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

मकरः- कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभः- मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीनः- अपनी वाणी पर नियंतण्रखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी घरेलू और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित

अंजन रॉय

भारतीय शेयर बाजार फिलहाल अजेय नजर आ रहा है। शेयर बाजार नयी ऊंचाइयों को छू रहा है और इसके साथ ही निवेशक मालामाल हो रहे हैं। शुक्रवार को इंट्रा-डे ट्रेडिंग में बीएसई सेंसेक्स करीब 1000 अंक बढ़ गया और एनएसई इंडेक्स करीब 300 अंक चढ़ गया है। इस तरह के उत्साहपूर्ण उछाल के बाद अनिवार्य रूप से सवाल उठता है कि क्या ऊपर की ओर रुझान कायम रहेगा या कोई प्रतिक्रिया होगी और कुछ सुधार या गिरावट होंगे? हो सकता है, नवीनतम एआई मॉडल से एक प्रकार का उत्तर देने के लिए कहा जा सकता है। लेकिन ऐसा लगता है कि एआई के जादूगर भी ऐसे सवालों से घबरा जायेंगे। वृद्धि पर समग्र प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, कुछ बाजार विशेषज्ञों को कम से कम इतना तो लगता ही है कि महीने के अंत में सुधार हो सकता है। लेकिन यह अभी भी किसी का अनुमान नहीं है। अधिक प्रासंगिक प्रश्न यह हो सकता है कि वित्तीय बाजारों में ऐसी आशावाद को कौन से कारक प्रेरित कर रहे हैं। इस बार जवाब ढूंढने के लिए दूर-दूर तक नजर नहीं दौड़ानी पड़ेगी। इस बार अनुकूल संयोग है और तेजी कुछ देर तक चल सकती है। लंबे समय के बाद कम मुद्रास्फीति हाल का प्रमुख सकारात्मक विकास हो सकता है। कम मुद्रास्फीति एक आसान धन नीति और इसकी दरों में नीचे की ओर संशोधन की उम्मीदों को बढ़ावा देती है। इधर, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने रेट कट का चक्र शुरू करने के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा है। बल्कि सावधानी बरतने की बात की है और चेतावनी दी है कि आरबीआई मुद्रास्फीति प्रिंटों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। लेकिन फिर, केंद्रीय बैंकों के बड़े भाई, यूएस फेड के अध्यक्ष, जेरोम पॉवेल ने बाजार की अपेक्षा से अधिक तेजी से दर संशोधन चक्र की संभावना का संकेत दिया है। इसने बाजार के लिए एक मादक कॉकटेल के रूप में काम किया था। लेकिन यहां और अभी के लिए इस तरह के बेतहाशा उतार-चढ़ाव बहुत अच्छी बातें हैं। ये फीडबैक चौनलों की नकल करते हैं जो एक प्रकार के उत्साह को बढ़ावा देते हैं, भले ही ऐसी चीजें अल्पकालिक होती हैं। हालांकि शेयर बाजार में निवेशक बहुत बड़े नहीं हैं, लेकिन बाजार में इस तरह के व्यापक उतार-चढ़ाव एक प्रकार का श्फील-गुड्य कारक पैदा करते हैं जो उपभोक्ता भावनाओं को मजबूत करने की दिशा में काम करता है। इससे कम से कम निवेशकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उपभोग मांग में बढ़ोतरी हो सकती है। जब बीएसई सेंसेक्स 70,000 को छू गया था, तो यह ऊंचा दिख रहा था। अब, यह 71,000 से आगे बढ़ रहा है। देखिए किस गति से ये चीजें हो रही हैं। जहां सेंसेक्स को 1,000 अंक चढ़ने में 93 सत्र लगे, वहीं 70,000 से 71,000 तक पहुंचने में इसे केवल एक दिन लगा। तर्कसंगत रूप से कहें तो यह अनिश्चितता का संकेतक है। जब मूड में इतना तीव्र बदलाव होता है तो प्रतिक्रियाएं भी उतनी ही तीव्र हो सकती हैं। लेकिन, इसे एक पल के लिए छोड़ दें, और आइए हम उन कारकों की जांच करें जो इस तरह की चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं और ये कितने स्थिर हो सकते हैं। मुख्य रूप से, यह कुछ वैश्विक रुझानों का प्रतिबिंब है जो सीमाओं के पार धन के प्रवाह को प्रभावित कर रहे हैं। जैसा कि हमने उल्लेख किया था, अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व ने इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि अमेरिकी मुद्रास्फीति दरों में नरमी को देखते हुए, प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति को समाप्त किया जा सकता है और ब्याज दरों में संभावित कटौती की जा सकती है। अमेरिकी मुद्रास्फीति पिछले वर्ष के 7.5 फीसदी से घटकर अब लगभग 3.5 फीसदी हो गई है। यह एक मजबूत विकास है। इसे कहां तक बनाये रखने की उम्मीद है? क्या मजबूत मूल्य रुझान की वापसी हो सकती है? इसकी संभावना नहीं है क्योंकि अमेरिकी वेतन वृद्धि मुद्रास्फीति की तुलना में तेज चल रही है और अब इसमें कमी आने की उम्मीद है। दूसरे, तेल की कीमतें भी गंभीर निशान छोड़ रही हैं। फेड अध्यक्ष के बयान पर उत्साहजनक प्रतिक्रियाओं की लहर दौड़ गई और अमेरिकी वित्तीय बाजार उत्साहित हो गये। अमेरिकी शेयर बाजार में निवेशकों द्वारा शेयरों की भारी खरीदारी देखी गई और परिणामस्वरूप अमेरिकी बाजार चढ़ गया। दूसरी ओर, अमेरिकी दर में कटौती की प्रत्याशा में, निवेशकों ने अपने विकल्पों की समीक्षा की और अन्य वित्तीय बाजारों में अवसरों की तलाश कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार के निवेशकों को भविष्य में कमाई की संभावनाएं क्षीण लग रही हैं और इसलिए वे अन्य बाजारों और अन्य उत्पादों की ओर देखने के लिए बाध्य हैं। धन भारतीय बाजारों में क्यों आना चाहिए? ऐसा इसलिए कि वैकल्पिक बाजार अनाकर्षक दिख रहे हैं। चीन, हाल तक संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा सबसे बड़ा बाजार था, जो धन आकर्षित करता था। हालांकि, चीनी बाजार स्वयं कमजोर हो रहा है और वहां राजनीतिक मालिक चीनी अर्थव्यवस्था के हर विकास को नियंत्रित करना चाह रहे हैं।चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक कदमों से चीन में बाजार की धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई है और बड़ी संख्या में कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। चीन की कंपनियों ने चीनी शेयर बाजार अधिकारियों को लापता मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के बारे में सूचित किया है। इस खबर के परिणामस्वरूप चीनी शेयर बाजारों में गिरावट आई है।बदले में, भारतीय बाजारों में बढ़त जारी है। सबसे पहले, भारत में व्यापक आर्थिक स्थिति अनुकूल है। हाल तक, कीमतें बढ़ रही थीं और सकारात्मक भावनाओं को खतरे में डाल रही थीं। ऊंची ब्याज दरों को लेकर रिजर्व बैंक को हस्तक्षेप करना पड़ा। हालांकि, हाल ही में कीमतों में नरमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ने कम प्रिंट दिया है, हालांकि कुछ उछाल देखा गया है। भारत में ब्याज दरें बढ़ने की संभावनाएं कम नजर आ रही हैं। इसलिए, निवेश की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विशेषज्ञ विदेशों से अत्यधिक धन प्रवाह की उम्मीद कर रहे हैं और इससे शेयर बाजार में तेजी आ रही है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक दिसंबर के पहले दस दिनों में प्रतिदिन औसतन 4000 करोड़ रुपये निवेश कर रहे हैं। पिछले महीने विदेशी निवेशकों ने 9000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ये सभी बातें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दरों में कटौती की घोषणा से पहले की हैं।ये भारत में निवेश को लेकर सकारात्मक भावनाओं के संकेत हैं और यह जारी रहने की संभावना है। निवेशक निवेश में बने रहने का लाभ उठा रहे हैं। अगला वर्ष उन लोगों के लिए निवेशकों का वर्ष होने की संभावना है जो भारतीय इक्विटी में निवेश करने के लिए संसाधन और साहस जुटा सकते हैं।

सांसद खेल महाकुंभ का शुभारंभ,कार्यक्रम में जेपी नड्डा और सीएम योगी रहे

सीएम ने कहा, खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएंगे, हर गांव में होगा स्टेडियम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। जिले में सांसद खेल महाकुंभ का आज से आगाज हो रहा है। 20 दिसंबर से शुरू होने वाले यह कार्यक्रम 29 दिसंबर तक चलेगा, कार्यक्रम का शुभारंभ करने सीएम योगी आदित्यनाथ व बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बस्ती पहुंचे। मंच पर सांसद हरीश द्विवेदी सहित बीजेपी नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश से इंसेफेलाइटिस समाप्त हो रहा है। 40 वर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश के 50 हजार बच्चों को निगल लिया था। उसे प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों के अनुरूप समाप्त कर दिया गया है। पीएम के साथ खेल कूद महाकुंभ प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रहे हैं। पीएम मोदी खिलाड़ियों से मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस आयोजन को प्रोत्साहित किया है। प्रदेश ने संकल्प लिया है कि खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएंगे। हर गांव में होगा स्टेडियम। हम जानते हैं कि पिछले साढ़े नौ वर्ष के अंदर हम एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं, ये नया भारत जिसमें 142 करोड़ लोगों को गौरव के साथ आगे बढ़ने, और बिना भेदभाव के विकास की प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। चेहरा देखकर नहीं, गांव, गरीब, किसान, नौजवान, दलित, वंचित पिछड़ा, महिलाएं, युवा, इस सभी को शासन की योजनाओं में भागीदार बना करके, उनके जीवन में परिवर्तन करने का जो कार्य पिछले साढ़े नौ वर्ष के अंदर जो कार्य हुआ है, आज उसका परिणाम हम सबको देखने को मिला है, और यह हम सब जान रहे हैं कि जब मोदी जी के हाथों में देश की सत्ता आई थी, तब यह देश दुनिया की 11 वीं 12 वीं अर्थ व्यवस्था के रूप में जाना जाता था और हमारा यह सौभाग्य है। एक यशस्वी नेतृत्व में आज भारत की अर्थ व्यवस्था देश, दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थ व्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। कहा कि जिस गति से भारत बढ़ रहा है, आने वाले तीन चार वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। इसमें भारत की अर्थ व्यवस्था को तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री जी के संकल्पों के साथ हर भारत वासी को जुड़ना है। हर भारत वासी जुड़ेगा, तो ये अर्थ व्यवस्था की मजबूती होने का मतलब हर चेहरे पर खुशहाली आना, हर एक के जीवन में परिवर्तन आना और इसी का परिणाम है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में हम एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। जहां चेहरा देखकर नहीं बल्कि सभी वर्ग को शासन की योजनाओं का भागीदार बनाया जा रहा है। देश के अंदर सामर्थ्य प्रदान किया जा रहा है। पांच सौ खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, नायब तहसीलदार जैसे पदों पर नौकरी दी गई है। खेल कोटे से पांच सौ पद के लिए जल्द आवेदन मांगे जाएंगे। जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करेगा उसे सरकारी नौकरी और आजीवन भरण पोषण की व्यवस्था की जाएगी।कहा कि प्रत्येक जिले में एक खेल सेंटर बनाने का काम चल रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जुबान फिसल गई, उन्होंने शुभारंभ की जगह समापन बोल दिया। उन्होंने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि इस खेल महाकुंभ के समापन कार्यक्रम में योगी आदित्य नाथ के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। कहा कि अभी-अभी योगी जी कह रहे थे कि साढ़े नौ साल में नए भारत का दर्शन हो रहा है और उस नए भारत का प्रतिबिंब मुझे यहां नौजवानों में दिख रहा है। वह मैं स्पष्ट रूप से कहना चाह रहा हूं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुझे जानकर खुशी है कि एक लाख विद्यार्थियों के व 50 हजार खिलाड़ियों के क्रम से प्रारंभ करते हुए आज साढ़े तीन लाख खिलाड़ी व साढ़े चार लाख विद्यार्थी इस महाकुंभ में शामिल हुए हैं, उनका बहुत-बहुत अभिनंदन। देश को चलाने के लिए नेतृत्व और नीति और नियम और कार्यक्रम ये बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, आज हम खेल की बात कर रहे हैं। नौजवानों से पूछा क्या कारण था कि 70 सालों में एशियन गेम्स में कभी भी पहले इतने मेडल नहीं आए, जो मेडल पिछले एशियन गेम्स में सौ से ज्यादा आए। इस बात को हमको समझना चाहिए।

करंट लगने से किसान की मौत

अयोध्या। मिल्कीपुर में शाहगंज उपकेंद्र को जाने वाली हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर एक किसान की मौत हो गई। घटना उस वक्त हुई जब किसान अलाव के लिए सिरसा के पेड़ की टहनियों को चढ़कर काट रहा था। तभी वह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कराने के बाद पोस्टमार्टम को भेजा दिया है।जानकारी के अनुसार, पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र के आदिलपुर पूरे अहिरन गांव निवासी 45 वर्षीय किसान राम केदार यादव पुत्र राम प्रताप यादव खेत के मेड़ पर सिरसा के पेड़ पर चढ़कर कुल्हाड़ी से टहनियों को काट छांट रहे थे। पेड़ के पास से कुमारगंज से शाहगंज फीडर के लिए 33 हजार विद्युत लाइन गुजरी हुई थी। पेड़ काटते समय पेड़ की टहनी हाईटेंशन तार से छू गई और देखते ही देखते पेड़ पर चढ़े किसान राम केदार यादव के शरीर में आग लग गई। जिससे किसान की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों समेत बड़ी संख्या में घटनास्थल पर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर चौकी प्रभारी रजनीश पाण्डेय पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। किसी तरीके से ग्रामीणों के सहयोग से मृतक के शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वांचल विवि को नैक मूल्यांकन में 'ए प्लस' ग्रेड मिलने से राज्यपाल आनंदीबेन खुश, दी बधाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा किए गए निरीक्षण एवं मूल्यांकन में 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। ज्ञातव्य है कि नैक मूल्यांकन में 'ए प्लस प्लस' सर्वोच्च ग्रेड है और 'ए प्लस' का शुमार भी उच्चतम ग्रेड में ही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने अपने प्रयासों में सर्वोच्च ग्रेड से मात्र '0.22' अंकों से ही पीछे रहते हुए ये उच्चतम ग्रेड प्राप्त किया है। नैक के उच्चतम ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालयों में शुमार होने के साथ ही वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय देश के प्रमुख शीर्ष संस्थानों में भी शामिल हो गया है।इससे पूर्व विश्वविद्यालय वर्ष 2004 में नैक का ''बी ग्रेड तथा वर्ष 2016 में नैक का ''बी प्लसएस् ग्रेड प्राप्त कर चुका है और अब तीसरी बार के मूल्यांकन में सर्वोच्च ग्रेड के निकटतम सीजीपीए हासिल करते हुए ए प्लसएस् ग्रेड प्राप्त किया है। बी प्लस ग्रेड से 'ए प्लस' ग्रेड तक के इस सफर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा निरंतर मार्गदर्शन, अनवरत समीक्षा बैठकों के माध्यम से विश्वविद्यालय में अकादमिक एवं व्यवस्थागत सुधार कराते हुए नैक के लिये प्रस्तुत की जाने वाली सेल्फस्टडी रिपोर्ट को बेहतर कराने के लिये युद्धस्तर पर कार्य करने के साथ-साथ इस कार्य में लगे प्राध्यापकों तथा अन्य सदस्यों को भी बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक टीम को हर बिन्दु पर शत-प्रतिशत् तैयारी के लिए जोर देते हुए कड़ी मेहनत के साथ सुधार करते हुए प्रत्येक मानक को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता पर ले जाने के लिए मार्ग दर्शन भी किया। निरंतर कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरूप आज विश्वविद्यालय को ये उपलब्धि हासिल हो सकी है। इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए राज्यपाल ने प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकनों में प्राप्त हो रही उल्लेखनीय सफलताओं पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों को ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा के लिए प्रदेश और देश के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसका सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के उन विद्यार्थियों को होगा जो आर्थिक कारणों से बाहर जाकर शिक्षा ग्रहण करने में असमर्थ हैं।

पर्यटन मंत्री आज से आगरा, मैनपुरी एवं फिरोजाबाद दौरे पर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह 21 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक आगरा, फिरोजाबाद तथा मैनपुरी के भ्रमण पर रहेंगे। पर्यटन मंत्री कल अपराह्न 01 बजे से प्रस्थान कर अपराह्न 04 बजे तक बटेश्वर धाम आगरा पहुंचेगे। सीएम के कार्यक्रमों के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। अगले दिन 22 दिसम्बर को पूर्वाह्न 09 बजे से अपराह्न 01 बजे तक मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके उपरान्त सरस्वती विद्या मंदिर बंशीगौहरा मैनपुरी में भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम की जयन्ती पर आयोजित गणित विज्ञान प्रदर्शनी एवं मेले में शामिल होंगे। इसके पश्चात नगला निरंजन मैनपुरी में सीडीओ आफिस तक सीसी रोड, सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। 24 दिसम्बर रविवार को सिरसागंज फिरोजाबाद कैम्प कार्यालय में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती पर शिलान्यास एवं लोकार्पण आदि कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अपराह्न 03 बजे क्रिश्चियन मैदान मैनपुरी में 72वें यूपी स्टेट सीनियर पुलिस,महिला वॉलीवॉल चौम्पियन कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगे और अगले दिन 26 दिसम्बर को दोपहर तक लखनऊ वापस आयेंगे।

डॉ. रामविलास वेदांती बोले-आडवाणी आंखों से देखें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के बयान पर विवाद के बीच विश्व हिंदू परिषद ने लालकृष्ण आडवाणी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या आने का आमंत्रण दिया है। इस बीच राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष और राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी रहे डॉ. रामविलास दास वेदांती ने कहा है कि आडवाणी को अयोध्या आना चाहिए। उन्होंने कहा, अब जब रामलला अपनी जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं, तो आडवाणी को अपनी आंखों से रामलाला की प्राण प्रतिष्ठा देखनी चाहिए। सीएम योगी रामलला के गर्भगृह तक आडवाणी को लाने की व्यवस्था करें। दरअसल, चंपत राय ने सोमवार (18 दिसंबर) को लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से आग्रह किया था कि वे जनवरी में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या न आएं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं की उम्र काफी ज्यादा हो चुकी है। यहां ठंड भी ज्यादा है। इसलिए मैंने दोनों से निवेदन किया है कि समारोह में न आएं। ट्रस्ट ने कहा कि दोनों वरिष्ठ हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे यह अनुरोध किया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। लालकृष्ण आडवाणी 96 साल के हैं और मुरली मनोहर जोशी जनवरी में 90 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, राम मंदिर आंदोलन में हिंदुत्व जागरण में आडवाणी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उनको प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित किया है। इसका हम स्वागत करते हैं। मैं चाहता हूं कि जब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही हो, उस समय यूपी सरकार खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आडवाणी को गर्भगृह तक लाने की व्यवस्था करें। जब रामलला की स्थापना हो रही हो तब आडवाणी अपनी आंखों से रामलला को अपने सिंहासन पर विराजमान होते हुए देखें। यह अभिलाषा देश की नहीं, सम्पूर्ण विश्व के हिंदुओं की है। क्योंकि आडवाणी का योगदान रामजन्मभूमि आंदोलन मे बहुत बड़ा है। भाजपा को यहां तक पहुंचने के लिए अटल, आडवाणी और जोशी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा, भारत के लोगों ने रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए जो काम किया, वह अद्भुत है। अशोक सिंघल, मोरोपंत पिंगले, परमहंस रामचंद्र दास और महंत अवेद्यनाथ महाराज ने अथक परिश्रम किया। इसी का परिणाम है कि रामलला की विजय हुई। सुप्रीम कोर्ट के 5 न्यायाधीश ने यह निर्णय दिया था जहां रामलला विराजमान वह रामजन्मभूमि है। वेदांती महाराज ने कहा, हाईकोर्ट में अपनी गवाही के दौरान वाल्मीकि रामायण के श्लोक के आधार पर कहा था, 1 करोड़ 81 लाख 60 हजार 65 साल पहले रामलला ने वहीं जन्म लिया, जहां रामलला विराजमान हैं। सन 1949 में हमारे गुरुदेव और हनुमानगढ़ी के महंत अभिराम दास ने रामलला का प्राकट्य किया था। हिंदू समाज की एकता के कारण रामलला की मूर्ति को उनके जन्म स्थान से नहीं हटाया जा सका। उन्होंने बताया, अशोक सिंघल ने कहा था जब रामलला का मंदिर बनेगा तो संत समाज अपनी आंखों से देखेगा, अब वह समय आ गया है। रामप्रिया हाता के महंत धनुषधारी शुक्ला ने कहा, आडवाणी की जान रामजन्मभूमि में बसती है। यह उनका सम्मान है कि वह अयोध्या आएं। 1984 से लेकर 1992 के दौरान उन्होंने जो संघर्ष किया और 1993 में राम की पैड़ी पर आकर जो संदेश दिया।

सड़क हादसे में एक किसान की मौत डंपर ने विक्रम को मारी टक्कर, सब्जी लाद रहे दो घायल

अयोध्या। अयोध्या के थाना पूराकलंदर क्षेत्र में सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। घटना पिपरी गांव के पास प्रयागराज हाईवे के किनारे की है। तीन लोग विक्रम पर सब्जी लाद रहे थे, इसी दौरान डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना सुबह पांच बजे की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। थानापुराकलंदर प्रभारी के अनुसार पिपरी गांव के पास प्रयागराज हाईवे के किनारे विक्रम पर तीन किसान सब्जी लाद रहे थे, जो सब्जियों को पिपरी से नवीन मंडी बिक्री के लिए ले जाने वाले थे। इसी दौरान बीकापुर की ओर से तेज रफ्तार आ रहे डंपर ने पीछे से तीनों किसानों को टक्कर मार दी। घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने पिपरी निवासी 25 वर्षीय शिवम को मृत बताया। वहीं घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस डंपर चालक की तलाश कर रही है।

भाव और भजन दोनों एक साथ हो तो व्यक्ति भवसागर पार हो जाता है: प्रेमभूषण महाराज

लखनऊ। मनुष्य की बड़ी समस्या है कि वह अपने चाहे जैसा भी रहे अपने बच्चों को बहुत ही सुशिक्षित, सुशील और संस्कारवान बनाना चाहता है। यह कैसे संभव हो सकता है कि जो लोग अपने स्वयं संस्कारवान नहीं हैं उनके बच्चे कहीं और से जाकर संस्कार सीख कर आयें। यह अपेक्षा करना ही गलत है।भजन में रहने वाले को दिन-रात का पता नहीं चलता ! जो मनुष्य भगवान में लग जाता है, भगवान में रम जाता है उसे समय का पता नहीं चलता है। आत्मिक सुख के रस में डूबा है वही व्यक्ति जिसके जीवन में निरंतर भजन बना हुआ है। सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए सर्वप्रिय प्रेममूर्ति पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने उक्त बातें लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित सीएमएस विद्यालय के मैदान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। श्री रामकथा गायन के माध्यम से भारतीय और पूरी दुनिया के सनातन समाज में अलख जगाने के लिए सुप्रसिद्ध कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने प्रभु श्रीराम और अन्य भाइयों की बाल लीलाओं का गायन करने के क्रम में कहा कि जब कोई व्यक्ति तीर्थ, यज्ञ, हरि कथा और अन्य सत्कर्मों में लगा रहता है तो जितनी देर वह उसमें जुड़ा होता है, उसे अपने समय के बीतने का पता नहीं लगता है। भजन में लग रहे लोगों के भी दो प्रकार हैं। एक वह जो इसमें डूब जाते हैं और दूसरे वह हैं जो इसका केवल प्रदर्शन करते हैं। पूज्य श्री ने कहा कि भक्ति कोई क्रिया नहीं है और अगर इसमें क्रिया सम्मिलित है तो वह भक्ति नहीं है। क्रिया के साथ की जाने वाली भक्ति को कर्मकांड कहते हैं। कुछ लोग भगवान का दर्शन करने जाते हैं और कुछ लोग वहां प्रदर्शन करने जाते हैं। दर्शन करने वाला भगवान को देखा है और प्रदर्शन करने वाला जो करता है उसको दूसरे देखते हैं।महाराज जी ने कहा कि संस्कारों के लिए स्वयं के आचरण से बच्चों को समझाया जाता है। बालकों को यदि हम कोई संदेश देना चाहें तो वे नहीं मानते हैं,लेकिन जैसा हम करते हैं बच्चे भी वैसा ही करते हैं। यदि हम क्रोध करेंगे तो वे क्रोध करेंगे और कीर्तन करेंगे वे भी कीर्तन करेंगे,इसलिए बच्चों को हम अपने आचरण से समझाएं। भगवान भोलेनाथ के इष्ट बालक राम हैं, बालकों में बड़ी निर्मलता होती है। बच्चों की बाललीला ब्रह्मभाव की होती है। पूज्य श्री ने कहा कि जैसे गंगा जी जहां जहां प्रवाहित होती हैं, उस क्षेत्र को पावन कर देती हैं। ठीक उसी प्रकार जहां जहां कथा रस की वर्षा होती है, वहां के वातावरण और भगवतजनों को आलोकित कर देती है। भगवान भोलनाथ भी रामकथा को कामधेनु कहते हैं। रामकथा सुनने मात्र से सारे सुख प्रदान कर देती है, लेकिन कथा सत्संग का फल सत्कर्मों में निरन्तर गति रखने से मिलता है। बिना सत्संग के विवेक जाग्रत नहीं होता है। जब विवेक जाग्रत हो जाता है तो साधक यजन में और भगत भजन में लीन हो जाता है। जितना विश्वास बढता जाता है, श्रद्धा भी उतनी ही बढ़ती जाती है। भगवत भक्ति श्रद्धा और विश्वास के परिणय से होती है।जीवन में जिसके प्रति हम श्रद्धा रखते हैं, उसका हम आदर करते हैं। प्रसंग का गायन करने के क्रम में पूज्य महाराज श्री ने कहा कि पीठ पीछे जिसकी प्रशंसा होती है, वही वास्तव में प्रशंसा पाने के योग्य है। सम्मुख प्रशंसा तो लोग भय अथवा लोभ के कारण भी करते रहते हैं। सद्ग्रन्थ में कही गई बातें इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसे कहने वाले लोग सामान्य नहीं थे। क्या कहा गया यह भी महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन किसके द्वारा कहा गया यह महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति का एक सहज स्वभाव है की मूल में कोई भूल नहीं होनी चाहिए। हमें अपने जीवन में यह अवश्य चिंतन करना चाहिए कि हम इतने लोगों के लिए मरते खपते हैं लेकिन हमारे लिए कौन? अगर आपके जीवन में आपके लिए चिंतन करने वाला कोई एक भी व्यक्ति है तो आप बड़े सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। महाराजश्री ने कहा कि बिना शांत रहे भजन नहीं होता है। मन में यदि शांति नहीं हैं तो न चिंतन होता है और न कथा में मन लगता है। जब मन मस्तिष्क में बहुत सारे घटनाक्रम एक साथ चलते हैं तो मन शांत नहीं रहता है। फिर ऐसे में हम बच्चों को शांत रहने के लिए तो कह सकते हैं लेकिन खुद शांत नहीं रह सकते, क्योंकि शांति के लिए मन को एकाग्र करना बहुत जरूरी है। हमारे चित्त में जितनी निर्मलता रहेगी, मन भी उतना निर्मल हो जाता है। मन शुद्ध अन्न से बनता है। इसलिए कहते हैं जैसा खाओगे अन्न, वैसा बनेगा मन, जैसा पीओगे पानी, वैसी बनेगी वाणी।उन्होंने बताया कि जो हम संसार को देते हैं,वही हमें बदले में प्राप्त होता है। हम ईमानदार हैं यह भाव अच्छा है,लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हैं कि बाकी लोग ईमानदार नहीं हैं, इसलिए हम ईमानदार हैं। हम भक्त हैं ऐसा अहंकार न पालें। उन्होंने बताया कि यह संसार तब तक सत्य है जब तक परमात्मा का बोध नहीं होता है, लेकिन जब हम यह जान लेते हैं कि इस संसार को बनाने वाले जगदीश है।

सड़क हादसे में दो की मौत,बस और पिकअप की टक्कर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। जिले के फखरपुर और कैसरगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसे हो गए। जिसमें पिकअप चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि बाइक सवार युवक घायल हो गया। बाइक सवार युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जबकि मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।लखनऊ-बहराइच मार्ग पर कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में कोनारी डाक बंगले के पास मंगलवार को निजी बस और पिकअप में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस एक पेड़ के सहारे खड्डे में पलट गई। हादसे में बस सवार सभी यात्री सुरक्षित बच गए। जबकि पिकअप चालक कानपुर नगर निवासी नरेंद्र राजपूत (50) पुत्र महेंद्र राजपूत घायल हो गए। उसे सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज शुरू होते ही मौत हो गई। वहीं फखरपुर थाना क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने प्राइवेट बस ने बाइक सवार को सुबह नौ बजे टक्कर मार दी। बाइक सवार फखरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम विजौवा निवासी मोहम्मद पुत्र कमरुद्दीन घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया।उधर इसी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गजाधरपुर के मजरा मकनी पुरवा निवासी राम मूर्ति पुत्र दुर्गा प्रसाद को अज्ञात वाहन ने देर रात टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई।

स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में जा रही बोलेरो बस से टकराई,6 छात्रा हुए घायल

बहराइच। जिले के मिहीपुरवा-बिछिया मार्ग पर यात्रियों से भरी तेज रफ्तार में निजी बस चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। पीछे से आ रही एक बोलेरो अनियंत्रित होकर बस में भिड़ गई। बोलेरो वाहन में सवार 6 दर्जन छात्राएं घायल हो गई। यह सभी छात्राएं स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने बहराइच जिला उद्योग कार्यालय जा रही थीं। मुर्तिहा कोतवाली क्षेत्र के मिहीपुरवा-बिछिया मार्ग पर बेलछा वन बैरियर के पास बुधवार सुबह प्राइवेट बस और पीछे से आ रहे बोलेरो की टक्कर हो गई। बिछिया से बहराइच जा रही प्राइवेट बस चालक द्वारा तेज रफ्तार में अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आ रही बोलेरो अनियंत्रित होकर बस में भिड़ गई। हादसे में बोलेरो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

खेत में छुट्टा जानवर जाने को लेकर मारपीट,एक घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

गोण्डा। जिले के कौड़िया बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में बीते मंगलवार को खेत में छुट्टा जानवर जाने को लेकर के दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। जहां इलाज के दौरान एक 14 वर्षीय युवक की गोंडा के जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। कौड़िया बाजार पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले एक वांछित आरोपी को आज गिरफ्तार कर जेल भेज आगे की जांच में जुटी हुई है। दरअसल, कौड़िया बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बनगाई के चकई पुरवा गांव में बीते मंगलवार 5 दिसंबर को खेत में छुट्टा जानवर जाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। मारपीट में दोनों पक्षों की तरफ से नौ लोग घायल हुए थे। जिन्हें इलाज के लिए गोंडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान मारपीट में घायल 14 वर्षीय राजकुमार उर्फ निरहू की मौत हो गई थी। दोनों पक्षों की तरफ से दी गई तहरीर के आधार पर कौड़िया बाजार पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। राजकुमार उर्फ निरहू हत्याकांड को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी रामजागे को आज कौड़िया बाजार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गोंडा बहराइच रोड पर स्थित फरेंदा शुक्ल मोड़ के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज आगे की जांच में जुटी हुई है। वहीं कौड़िया बाजार थाने के उप निरीक्षक दिलीप कुमार ने बताया कि बीते 5 दिसंबर को खेत में छुट्टा जानवर को लेकर के दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। जहां दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हुए थे जिन्हें इलाज के लिए गोंडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल 14 वर्षीय राजकुमार उर्फ निरहुआ की गोंडा की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों की तरफ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। आज हत्याकांड में शामिल एक आरोपी राम जागे को गिरफ्तार कर जेल भेज आगे की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

ऊर्जा मंत्री ने ओटीएस की छूट का लाभ लेकर बकाया विद्युत बिल जमा करने की अपील

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु प्रदेश सरकार की एकमुश्त समाधान योजनान्तर्गत मंगलवार तक पूरे प्रदेश में 35 लाख उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया और इससे 3500 करोड़ रूपये राजस्व की प्राप्ति हुई। उपभोक्ताओं को 1200 करोड़ रूपये का फायदा हुआ। विद्युत चोरी के मामलों में 72 हजार लोगों के कानूनी और आपराधिक मामलों को भी हल किया गया।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि प्रदेश में चल रही ओटीएस उपभोक्ताओं के लिए बहुत ही प्रभावी और लाभकारी योजना रही। अब यह योजना अपने अन्तिम दौर में चल रही है। इस योजना का तीसरा चरण 31 दिसम्बर तक है। 31 दिसम्बर को योजना समाप्त हो रही है। इसके पश्चात योजना की अवधि नहीं बढ़ायी जायेगी। अभी भी जिन लोगों के विद्युत बिलों के बकाये या विद्युत चोरी के मामले लम्बित हैं, वे जल्द से जल्द ओटीएस का लाभ लेकर अपनी विद्युत सम्बंधी समस्याओं का समाधान करा लें। प्रदेश में ओटीएस को ''जल्दी आएं, ज्यादा लाभ पाएं'' की कसौटी पर चलायी गयी थी। किश्तों में भी भुगतान करने की व्यवस्था दी गयी थी। 31 दिसम्बर के पश्चात जिस किसी के भी विद्युत बिलों के बकाये और विद्युत चोरी सम्बंधी प्रकरण लम्बित रह जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी ओटीएस के तीसरे चरण में भी 01 किलोवॉट भार तक के छोटे घरेलू उपभोक्ताओं तथा किसानों को बकाये के सरचार्ज में 80 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसी प्रकार विद्युत चोरी के प्रकरणों में 50 प्रतिशत की छूट मिल रही है। योजनान्तर्गत इस अवधि में 01 किलोवाट से अधिक भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 70 प्रतिशत, 03 किलोवाट भार तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को 60 प्रतिशत, 03 किलोवॉट से अधिक भार के वाणिज्यिक उपभोक्ताओ को 40 प्रतिशत के साथ निजी संस्थानों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 30 प्रतिशत की छूट मिल रही है। ओटीएस के तहत मंगलवार तक पूर्वांचल डिस्काम में 9.84 लाख, मध्यांचल में 9.85 लाख, दक्षिणांचल में 7.42 लाख, पश्चिमांचल में 7.67 लाख, केस्को में 18 हजार उपभोक्ताओ ने ओटीएस में पंजीकरण करा कर सरचार्ज में छूट का लाभ लिया। विद्युत चोरी के मामलों में पूर्वांचल डिस्काम ने 19,080, मध्यांचल ने 11,165, दक्षिणांचल ने 18,676, पश्चिमांचल ने 21,686 तथा केस्कों ने 1,385 लोगों के प्रकरणों को समाप्त किया। ऊर्जा मंत्री ने बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की है कि ओटीएस में दी गयी छूट का लाभ लेकर अपना बकाया जमा कर दें। अधिकारियों को भी निर्देश दिये हैं कि बकाये के भुगतान के लिए बकायेदारों को प्रेरित किया जाय।

अज्ञात कारणों से गन्ने के खेत में लगी आग,लाखों रुपए का गन्ना जलकर हुआ नष्ट

मिल्कीपुर। तहसील क्षेत्र के माझगांव निवासी कृषक के खेत में अज्ञात कारणों से गन्ने के खेत में लगी आग को देखकर मौके पर पहुंचकर ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए। लेकिन आग बुझ नहीं रही थी। किसानों ने अग्निकांड की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचती तब तक सारा गन्ना जलकर खाक हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कुमारगंज क्षेत्र के माझगांव निवासी किसान राम कृपाल सिंह पुत्र देशराज सिंह के गन्ने के खेत में दोपहर बाद आग लग गई।खेत में आग लगने की जानकारी मिलती है। किसान ग्रामीणों के साथ खेत पर पहुंच गया और डंडों से आग बुझाने का प्रयास करने लगा। लेकिन आग नहीं बुझ रही थी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दिया। जानकारी मिलने के बाद मिल्कीपुर से आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो गई । पीड़ित किसान ने घटना की लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र थाना कुमारगंज पुलिस को भी दिया है।

अज्ञात कारणों से बिजली मैकेनिक की मौत, साथी गंभीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बांदा। जिले के अतर्रा कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात कारणों के चलते बिजली मैकेनिक की दर्दनाक मौत गई। वहीं, उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। राहगीरों की सूचना पर चौकीदार रज्जू ने थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल पड़े दीपू को सीएचसी भेज दिया। यहां हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल और उसके बाद कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया, जहां उपचार चल रहा है। वहीं, मृतक बसंत को ट्रामा सेंटर के बाद मोर्चरी हाउस भेजा गया है। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मजरा समूह का पुरवा निवासी मृतक बसंत कुमार (29) पुत्र छेदीलाल कुशवाहा अपनी बाइक से मित्र दीपू पुत्र धर्मपाल निवासी कुटूरवा का पुरवा मंगलवार की देर शाम घर वापस लौटते समय गुमाई माइनर नंबर एक रोड पर लहूलुहान हालत पर पड़े हुए थे। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि किसी वाहन की चपेट में आने या स्वयं से टकरा जाने के बाद हादसा हुआ है। मृतक के परिजनों की ओर से तहरीर मिलते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि मृतक बसंत कुमार (बसंता) तीन भाइयों में सबसे छोटा था। घटना से परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया घटनास्थल से महज दो किलोमीटर की दूरी पर परिवार रहता था, लेकिन थाना पुलिस ने मृतक बसंत कुमार को बिना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर के दिखाए ही प्राइवेट डग्गा में लादकर जानवरों की तरह जिला अस्पताल मोर्चरी हाउस में रख दिया। वहीं, मृतक के चचेरे साले नरैनी निवासी राम प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि साजिश के तहत मेरे दामाद की हत्या की गई है। दामाद का फोन भी गायब है। दीपू के परिजनों ने सारे नंबर डिलीट कर दिए हैं और घायल को ले गए हैं। मृतक बसंत कुमार के परिजनों को भी कोई खबर नहीं की गई थी।

अशरफ के करीबी नफीस बिरयानी की मौत की होगी मजिस्ट्रियल जांच, जेल प्रशासन ने शासन को भेजी रिपोर्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ के फाइनेंसर नफीस बिरयानी को बीते 22 नवंबर को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। उसे बीते पांच दिसंबर को केंद्रीय कारागार में निरुद्ध किया गया था। उसके बाद इसे जेल अस्पताल में ही रखा गया था।माफिया अतीक अहमद और अशरफ के करीबी नफीस बिरयानी की दिल का दौरा पड़ने से स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में हुई मौत के मामले की मजिस्ट्रियल जांच होगी। इसके लिए जेल प्रशासन की ओर से संबंधित कोर्ट के अलावा डीएम नवनीत सिंह चहल और शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। माफिया अतीक अहमद और अशरफ के फाइनेंसर नफीस बिरयानी को बीते 22 नवंबर को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। उसे बीते पांच दिसंबर को केंद्रीय कारागार में निरुद्ध किया गया था।उसके बाद इसे जेल अस्पताल में ही रखा गया था। उसकी तबीयत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उसे 17 दिसंबर को एसआरएन में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। उसकी मौत के मामले में जेल प्रशासन की ओर से संबंधित कोर्ट, डीएम और शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर का कहना है कि बंदी नफीस की मौत के मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी। नफीस की मौत के बाद मोहल्ले में पसरा सन्नाटा, परिजनों ने साधी चुप्पी अतीक अहमद के फाइनेंसर व ईट ऑन बिरयानी रेस्टोरेंट के मालिक नफीस अहमद की इलाज के दौरान मौत के बाद मंगलवार को उसके घर में मातम का माहौल है। नफीस की पत्नी व उसके तीन बेटियों का रो रोकर बुरा हाल है। इसके साथ पास-पड़ोस के गलियों में भी सन्नाटा पसरा रहा। वहीं नफीस के परिजन व करीबी रिश्तेदार भी नफीस की मौत को लेकर कुछ भी बोलने से बचते रहे हैं।नफीस के मौत के बाद उसे काला डांडा के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक तो कर दिया गया, लेकिन उसके साथ-साथ परिजनों की चीख-चीत्कार भी दफन हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम के दौरान उसके दो भाइयों के अलावा तीन अन्य रिश्तेदार ही वहां पहुंचे थे।

जनपद मे शुरू हुआ फाइलेरिया उनमुलन कार्यक्रम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। दिनांक 20 दिसंबर 2023 दिन बुधवार को जनपद प्रयागराज मे फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (IDA- 2023) हेतु जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर की कार्यशाला मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार मे आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशु पांडेय जी ने किया। कार्यक्रम मे डॉ परवेज़ अख्तर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी(नोडल अधिकारी VBD) ,डॉ ऋतुराज सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ रावेन्द्र सिंह उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ,अशफाक अहमद डीसीपीएम ने मुख्य रूप से प्रतिभाग किया।नोडल अधिकारी ने सभी को प्रशिक्षण के दौरान सभी को माईक्रो प्लानिंग पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिए। ने विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रतिभाग किया।कार्यक्रम मे जनपद के समस्त विकास खण्डो से अधीक्षक सामुदायिक केंद्र,मेडिकल ऑफिसर, मलेरिया निरीक्षक, बीसीपीएम, बी पीएम, एसएलटी,को जनपद को फाइलेरिया उन्मूलन हेतु आगामी माह मे विकासखंड एवम ग्राम पंचायत स्तरीय किये जाने वाले कार्यो की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का कार्य पार्थ संस्थान से मंडलीय समन्वयक डॉ शाश्वत त्रिपाठी , WHO से ZCW डॉ निशांत कुमार एवं पीसीआई इंडिया संस्था से जिला मोबिलाईजर समन्वयक दीपक तिवारी से द्वारा संचालित किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी आनंद कुमार सिंह जी द्वारा समस्त विकास खण्ड मे संक्रमित लोगों को MMDP किट के वितरण लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देशित करते हुए बताया की जनपद के 13 विकास खण्ड -*धनुपुर, हंडिया,कोटवा, कोराव, प्रतापपुर,रामनगर, सैदाबाद, बहरिया, होलागढ़, कौडिहार कौन्धियारा, मेजा, एवम् सोराव सामुदायिक केंद्र को IDA कार्यक्रम हेतु चिन्हित किया गया है। साथ ही कार्यक्रम मे सहभागिता हेतु धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया।

संक्षिप्त समाचार

अभियोग पंजीकृत होने के 12 घण्टे के अन्दर 02 शातिर अभियुक्त थाना शिवकुटी पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना शिवकुटी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 184/2023 धारा 379 भा0द0वि0 से सम्बन्धित प्रकाश में आए अभियुक्त 1. अकबर पुत्र कल्लू निवासी ग्राम जारी थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज, 2. कृष्णा पुत्र रतन निवासी तेलियरगंज चुंगी मेंहदौरी चौकी के पीछे थाना शिवकुटी प्रयागराज को आज दिनांक 20.12.2023 को अभियोग पंजीकृत होने के 12 घण्टे के अन्दर कर्जन ब्रिज के नीचे थाना क्षेत्र शिवकुटी से गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से चोरी की 02 ई- रिक्शा बैट्री बरामद की गयी। बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 411 भा0द0वि0 की बढ़ोत्तरी की गयी। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. अकबर पुत्र कल्लू निवासी ग्राम जारी थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज, उम्र 28 वर्ष ।2. कृष्णा पुत्र रतन निवासी तेलियरगंज चुंगी मेंहदौरी चौकी के पीछे थाना शिवकुटी प्रयागराज, उम्र 31 वर्ष।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 184/2023 धारा 379/411 भा0द0वि0 थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज । आपराधिक इतिहास-अकबर पुत्र कल्लू उपरोक्त- मु0अ0सं0 68/2023 धारा 379/411 भा0द0वि0 थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-चोरी की 02 ई- रिक्शा बैट्रीपुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 विजय पाण्डेय, थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 विवेक कुमार गुप्ता, थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.हे0का0 विनय कुमार राय, थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 अभिषेक पाण्डेय, थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त व 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा थाना होलागढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-233/2023 धारा-498/323/504/506/436/120(B) भा0द0सं0 व ¾ DP Act से सम्बंधित 02 वांछित अभियुक्त 1.रामबाबू पुत्र रामआसरे 2. खुशबू पुत्री रामआसरे निवासीगण ग्राम बरई हरख थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को दिनांक 20.12.2023 को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बरई हरख के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी के पश्चात आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. रामबाबू पुत्र रामआसरे निवासी ग्राम बरई हरख थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र लगभग 32 वर्ष ।2. खुशबू पुत्री रामआसरे निवासी ग्राम बरई हरख थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र लगभग 21 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-233/2023 धारा-498/323/504/506/436/120B भा0द0सं0 व ¾ DP Act थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 अभय कुमार सिंह, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. हे0का0 कृष्णानन्द सिंह, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. म0का0 रिचा यादव, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

जिलाधिकारी ने मासिक प्रगति रिपोर्ट एवं शिकायतों के निवारण उपलब्ध कराये जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने समस्त कार्यालयाध्यक्षों/समस्त सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों को कामकाजी महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध, और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के क्रियान्वयन, समिति के गठन एवं उससे सम्बंधित मासिक प्रगति रिपोर्ट एवं शिकायतों के निवारण सम्बंधी सूचना/आख्या नियमित रूप से प्रत्येक माह ससमय जिला प्रोबेशन कार्यालय, 09 तेज बहादुर सप्रू रोड़, सिविल लाइन, प्रयागराज व कार्यालय की ई-मेल आई0डी0 icpsalld09@gmail.com पर उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पीठ/शिविर का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों के अधिकारों और हकदारियों के उल्लंघन और वंचित होने से सम्बन्धित शिकायतों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय पीठ/ शिविर का आयोजन दिनॉक 22-12-2023 को जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें सदस्य, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, प्रीती भरद्वाज दलाल द्वारा अध्यक्षता की जायेगी, जिसमें जिला स्तरीय पीठ/शिविर के आयोजन के दौरान विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, जिसमें बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं/शिकायतों का निस्तारण व उन्हें योजनाओं से जोड़े जाने की कार्यवाही की जायेगी। शिविर के दौरान दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाये जाने, आधारकार्ड बनाये जाने, स्वास्थ्य जॉच किये जाने, बच्चों के बैंक खाता खोले जाने तथा उन्हें योजनाओं से जोड़े जाने इत्यादि की कार्यवाही हेतु शिविर लगाये जाएगें तथा बच्चों के अधिकारों के हनन से सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण की भी कार्यवाही आयोग द्वारा की जायेगी, जिसमे बच्चो के अधिकारो के हनन व उन्हे योजनाओ से जोड़े जाने सम्बन्धि प्रार्थना पत्र के साथ उपस्थित होकर निस्तारण प्राप्त किया जा सकता है। यह जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी, प्रयागराज ने दी है।

दुराचार के अभियोग का वांछित अभियुक्त थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना शंकरगढ़ में पंजीकृत मु0अ0सं0 301/2023 धारा 363/366/376 भा0द0वि व 5/6 पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त अभिनेष पुत्र सीताराम निवासी पंडित का पूरा थाना बारा जनपद प्रयागराज को थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा आज दिनांक 20.12.2023 को मुखबिर की सूचना पर कोहड़िया जाने वाली सड़क की बायीं पटरी थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-अभिनेष पुत्र सीताराम निवासी पंडित का पूरा थाना बारा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।संबन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 301/2023 धारा 363/366/376 भा0द0वि0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 अनुराग, थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.हे0का0 अनिल कुमार मिश्रा, थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 विशाल सिंह, थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना कीडगंज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना कीडगंज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर आज दिनांक 20.12.2023 को 01 अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र शिवपूजन निवासी हरिपुर पो0 आसेपुर सैदाबाद थाना हण्डिया प्रयागराज को मिन्टो पार्क के पीछे थाना क्षेत्र कीडगंज से गिरफ्तार कर कब्जे से 03 अवैध जिन्दा बम, 07 प्लास्टिक की पत्तियाँ, 01 कटर चाकू व चिपकाने वाले पदार्थ का डिब्बा बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 241/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- सुनील कुमार पुत्र शिवपूजन निवासी हरिपुर पो0 आसेपुर सैदाबाद थाना हण्डिया प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष।पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 241/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण- 1. 03 अवैध जिन्दा बम 2.प्लास्टिक की 07 पत्तियां3.01 कटर चाकू 4.चिपकाने वाला पदार्थ का डिब्बा गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 रतिराम, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. का0 भारतेन्द्र सिंह व का0 हरेराम गुप्ता, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बीएचयू के प्रोफेसर बोले, 14 साल तक गुरुकुल जरूरी, बढ़ती है ब्रेन कैपिसिटी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। भारत की प्राचीन वर्ण व्यवस्था के अनुसार जो शिक्षा दी जाती थी, वह जाति आधारित नहीं बल्कि स्किल डेवलपमेंट पर बेस्ड थी। ऋषि मुनियों ने इसका खाका तैयार किया था। ये बातें काशी-तमिल संगमम-2 के पहले एकेडमिक सत्र में बीएचयू के वैदिक ममर्ज्ञ प्रो. उपेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कही। उन्होंने नमो घाट पर कहा, 14 साल की उम्र तक दी गई शिक्षा ही एक इंसान का चरित्र और बुद्धिमत्ता तैयार करती है। क्योंकि, इस उम्र के बच्चे में ब्रेन रिकॉलिंग कैपेसिटी काफी ज्यादा होती है। इस उम्र में जो ऑब्जर्व हो जाता है, उसका पूरे लाइफ टाइम में महत्व होता है। इसी में भविष्य का बेस छुपा होता है। इसलिए, भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली गुरुकुल शिक्षा पद्धति काफी कारगर थी। नई शिक्षा नीति 2020 में इसी पर जोर दिया गया है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि डिजिटल इंडिया से रिमोट एरिया के बच्चों को तरह-तरह के कोर्सेज और मॉडर्न एजुकेशन से जोड़ा जा रहा है। उन्हें ऐप और ऑनलाइन एजुकेशन टेक्नीक के द्वारा पढ़ाया जा रहा है। विकसित भारत में देश की नई शिक्षा नीति 2020 काफी बड़ी भूमिका निभाएगा। गुरुकुल की शिक्षा पद्धति और मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देना होगा।वाराणसी के नमो घाट पर बुधवार को तमिलनाडु से आए टीचर्स डेलीगेशन के साथ 2 घंटे तक चर्चा और सवाल-जवाब हुए। वक्ताओं ने विकसित भारत में अध्यापकों की भूमिका पर बातें कीं। इस चर्चा में चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर वेलराज, काशी हिंदू विश्वविद्यालय में मालवीय मिशन के चेयरमैन और वैदिक विज्ञान केंद्र के समन्वयक प्रो. उपेंद्र कुमार त्रिपाठी और बीएचयू एजुकेशन विभाग के प्रो. सुनील कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस सेशन में अध्यापकों के डेलिगेशन ने कई सवाल भी किए। इसका जवाब मुख्य वक्ताओं ने दिए। अन्ना यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. वेलराज ने नई शिक्षा नीति के मूल विषय, भारतीय ज्ञान परंपरा, डिजिटल टेक्नोलॉजी से एजुकेशन, मातृभाषा पर चर्चा की। वहीं, प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि 26 करोड़ प्राइमरी स्कूली बच्चों पर 1 करोड़ शिक्षक हैं। वहीं, 1.34 करोड़ उच्च शिक्षा के स्टूडेंट्स और शिक्षकों की संख्या महज 10 लाख ही है। इस अनुपात को बेहतर करते हुए इन टीचरों और छात्रों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के डायरेक्टर एमएम सिंह ने दिया। दूसरा एकेडमिक सत्र 22 दिसंबर को होगा। इसमें तमिलनाडु के प्रोफेशनल डेलीगेट्स हिस्सा लेंगे। इस एकेडमिक सत्र में भारतीय पेशेवरों के लिए चुनौतियां और अवसरों पर संवाद स्थापित किया जाएगा। इसमें आर्किटेक्ट अनिल किंजड़वेकर मुख्य अतिथि और वक्ता होंगे। तीसरा एकेडमिक सत्र 24 दिसंबर को आयोजित होगा। इसमें तमिलनाडु के आध्यात्मिक डेलीगेट्स शिरकत करेंगे। वे मंदिर की कला, संस्कृति और धर्म के बारे में होने वाले संवाद को सुनेंगे और अपने प्रश्न भी करेंगे। इस सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. हृदयरंजन शर्मा और डॉ. वेंकटरामन घन पाठी होंगे। चौथा एकेडमिक सत्र 26 दिसंबर को होगा। इसमें तमिलनाडु से आए किसानों और कलाकारों का डेलीगेशन होगा। उस एकेडमिक सत्र में उत्तर और दक्षिण भारत में किसान सपोर्ट सिस्टम के उदाहरण, उपलब्धियां और यूपी के किसान और विश्वकर्मा स्कीम पर चर्चा होगी। इसमें मुख्य वक्ता प्रो. केएनएस राजू और प्रो. रघुरमन होंगे। 5वां एकेडमिक सत्र 28 दिसंबर को होगा। इसमें लेखकों का डेलीगेशन आएगा। इस सत्र में तमिल और हिंदी साहित्य के विचारों, समावेशी और प्रगतिवादी पर चर्चा होगी। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. नीरजा माधव होंगी। 6वां और अंतिम सत्र 30 दिसंबर को होगा। इसमें व्यापारियों और बिजनेसमैन का ग्रुप हिस्सा लेगा।

तहसील स्तर पर एवं मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता का किया जायेगा आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के शास्त्रीय एवं उप शास्त्रीय संगीत/लोक संगीत तथा लोक नाट्य की विभिन्न विधाओं से समृद्ध कलाकारों की पहचान कर उन्हें उनकी योग्यता अनुसार मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित एवं समृद्ध करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग उ0प्र0 के द्वारा ''उ0प्र0 पर्व-हमारी संस्कृति, हमारी पहचान'' के अन्तर्गत ''संस्कृति उत्सव-2023'' कार्यक्रम का आयोजन तहसील, जनपद मुख्यालय, मण्डलीय मुख्यालय तत्पश्चात प्रदेश की राजधानी लखनऊ में किया जायेगा। उ0प्र0 के नवागत कलाकारों एवं समस्त विधाओं के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार हेतु भारत पर्व हमारी संस्कृति, हमारी पहचान सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन 25 दिसम्बर, 2023 से 15 जनवरी, 2024 तक होगा। हमारी संस्कृति, हमारी पहचान सांस्कृतिक महोत्सव-2023 का समापन समारोह उ0प्र0 दिवस के अवसर पर 24 जनवरी, 2024 को लखनऊ में किया जायेगा। जनपद के ग्रामीण अंचलों में प्रचलित लोक संगीत की अत्यंत समृद्ध परम्परा के संरक्षण, सम्वर्धन एवं इन विधाओं से जुड़े हुए कलाकारों को मंच प्रदान करने एवं ऐसे कलासाधक, जो पहचान के अभाव में नेपथ्य में है, उनकी कला, प्रतिभा को सामने लाये जाने एवं उनकी कला सामर्थ्य में विकास के उपक्रम जुटायें जाने हेतु जनपद के तहसील मुख्यालयों पर दिनांक 25.12.2023 से 30.12.2023 तक गांव, पंचायत, ब्लाक एवं तहसील स्तर के कलाकारों की प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी, जिसके क्रम में 25.12.2023 को तहसील करछना एवं कोरांव, 26.12.2023 को तहसील फूलपुर एवं बारा, 27.12.2023 को तहसील मेजा, 28.12.2023 को तहसील सदर, 29.12.2023 को तहसील सोरांव तथा 30.12.2023 को हण्डिया तहसील में चयनित स्थलों पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। तत्पश्चात तहसील स्तर से चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता जनपद मुख्यालय पर 01.01.2024 से 05.01.2024 के मध्य एवं प्रयागराज मण्डल स्तर की प्रतियोगिता 10.01.2024 से 15.01.2024 के मध्य प्रयागराज संगीत समिति में आयोजित की जायेगी।कार्यक्रम को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्बंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारी को नोडल अधिकारी तथा तहसीलदार एवं खण्ड विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके साथ ही साथ समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त सीडीपीओ, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, सम्बंधित थानाध्यक्ष तथा सम्बंधित स्वास्थ्य अधिकारी को समन्वय अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जिलाधिकारी श्री नवनीत सिंह चहल ने सभी सम्बंधित नोडल/सह नोडल एवं समन्वयक तथा अन्य सम्बंधित अधिकारियों को सौंपे गये कार्यदायित्वों एवं शासन द्वारा दिए दिशा-निर्देशों का भली-भांति अनुपालन कराते हुए सम्पूर्ण कार्यक्रम को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्देशित किया है।

प्रयागराज पुलिस द्वारा अभियुक्त को कारावास एवं 500 रुपये का अर्थदण्ड

प्रयागराज। न्यायालय एफटीसी-01 इलाहाबाद द्वारा थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-379/22 धारा-4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के अभियुक्त रिजवान पुत्र भानु निवासी फतुहवा बीबीपुर थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को आज दिनांक 20.12.2023 को प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप धारा-4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम में 01 वर्ष 04 माह के सश्रम कारावास एवं 500 रुपये का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड न अदा करने पर 07 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतेय होगा ।दोष सिद्ध अभियुक्त का विवरण-अभियुक्त रिजवान पुत्र भानु निवासी फतुहवा बीबीपुर थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-379/22 धारा-4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।पैरवी करने वाली टीम का विवरण-1. मृत्युंजय तिवारी, ए0डी0जी0सी0 ।2. प्र0नि0 पंकज कुमार राय, थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. हे0का0 यशवंत सिंह कोर्ट मोहर्रिर । 4.का0 सत्यम कुमार शर्मा, पैरोकार थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

कुम्भ मेलाधिकारी द्वारा किया गया उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) की परियोजनाओं का निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के आयोजन से सम्बन्धित उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), प्रयागराज द्वारा क्रियान्वित की जा रही स्थायी परियोजनाओं का महाकुम्भ मेलाधिकारी प्रयागराज विजय किरन आनन्द द्वारा आज स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकरण, प्रयागराज की थर्ड पार्टी एजेन्सी टी0यू0वी0एस0यू0डी0, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) के अधिशासी अभियन्ता श्री आशुतोष यादव, श्री सन्तोष कुमार एवं अन्य अधिकारी तथा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) द्वारा महाकुम्भ 2025 के आयोजन से सम्बन्धित सीवरेज एवं पेयजल की कुल 21 नग स्थायी परियोजनाएं एवं कुम्भ मेला क्षेत्र में मेला अवधि के दौरान पेयजल, ड्रेनेज व्यवस्था एवं अन्य तत्सम्बन्धी कार्यों हेतु 07 नग अस्थायी परियोजनाएं जिनकी कुल लागत लगभग रू0 500.00 करोड़, के कार्य आगामी एक वर्ष में कराये जाने प्रस्तावित है। कुम्भ मेलाधिकारी द्वारा मम्फोर्डगंज में 1000 एम0एम0 व्यास की डी0आई0 के0 – 9 राईजिंग मेन बिछाने के कार्य, I&D कार्य प्रभुघाट, मोरीगेट सीवेज पम्पिंग स्टेशन के रेनोवेशन के कार्य, अल्लापुर सीवेज पम्पिंग स्टेशन के रेनोवेशन के कार्य, झंसी स्थित 50 के0एल0डी0 क्षमता के फीकल स्लज को ट्रीटमेन्ट प्लांट के निरीक्षण के दौरान कार्यदायी विभाग उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) कार्यदायी फर्मो एवं समस्त उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों को समस्त परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्वक एवं निर्धारित समय के अन्तर्गत पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। कुम्भ मेलाधिकारी द्वारा थर्ड पाटी एजेन्सी को निर्माण कार्यों में प्रयोग की जा रही निर्माण सामाग्री की सैम्पलिंग कर जॉच रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने हेतु तथा अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) को सीवर बिछाने के दौरान काटी जाने वाली सड़कों की पुनर्स्थापना / मरम्मत हेतु रोड रेस्टोरेशन प्लान मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, प्रयागराज से समन्वय स्थापित करते हुए प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये ।

पानी के पाइपलाइन में रिसाव से मकान की नींव धंसी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। आगरा के एक परिवार को नगर निगम की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। नगर निगम की वजह से पीड़ित परिवार को अपना आशियाना छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अब उनका आशियाना तिल तिल कर उनके सामने जमीन में धंसता जा रहा है। लेकिन पीड़ित परिवार यह सब देखकर भी कुछ नहीं कर सकता। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई। मुआवजे की मांग की लेकिन अभी तक उनकी कोई भी सुनवाई नहीं हुई। वहीं हालत ये कि यह मकान कभी गिर सकता है। आगरा के राजा मंडी क्षेत्र के छपेटी में 6 महीने पहले अंजू अग्रवाल ने पति की प्राइवेट नौकरी से एक-एक पैसा जोड़कर अपनी पुश्तैनी जमीन पर 5 जून 2023 से मकान बनाना शुरू किया था। धीरे-धीरे अंजू अग्रवाल का मकान बनता गया। उन्होंने बताया कि करीब 20 लाख रुपए उनके तीन मंजिला मकान के निर्माण में खर्च हो गए। इसके बाद खुशी-खुशी उन्होंने दीपावली पर अपने परिवार के साथ गृह प्रवेश किया। सब कुछ अच्छा चल रहा था। लेकिन अचानक से कुछ ऐसा हुआ। जिससे परिवार की खुशियां गम में बदल गई। अंजू अग्रवाल का बेटा प्रखर एक दिन घर में बैठा हुआ था। जब वह बाहर निकाला तो उसे अंदेशा हुआ कि उसके घर के सामने जो सड़क स्थित है। उसकी ऊंचाई ज्यादा है। घर की ऊंचाई कम लग रही है। प्रखर ने अपने पूरे घर का निरीक्षण किया और पता चला कि उसका मकान धीरे-धीरे जमीन में धस रहा है। वहीं आगे से मकान झुकने लगा है। इसके बाद अंजू अग्रवाल और उनके बेटे प्रखर ने अपने मकान का सारा सामान बाहर निकाल लिया। आनन-फानन में दूसरे स्थान पर किराए पर कमरा लेकर रहने लगे।मकान के धसने और झुकने का कारण जब प्रखर ने पता किया तो जानकारी मिली की मकान के नीचे जल निगम द्वारा डाली गई पानी की पाइप लाइन काफी समय से लीक हो रही थी। जिसकी वजह से पाइप लाइन से निकलने वाला पानी उनके मकान की नींव में चला गया और मिट्टी धंसने लगी। इसी वजह से मकान धीरे-धीरे जमीन में धंस रहा है। प्रखर का मकान कोई पहला नहीं जो पानी की पाइप लाइन के लीकेज की वजह से चपेट में आया है। इससे पहले पास के दो मकान भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। प्रखर और उनकी मां ने इसकी शिकायत मंडल आयुक्त और जिलाधिकारी से की। साथ ही उन्होंने कहा कि जल निगम की पानी की पाइप लाइन लीक होने के चलते उनके सपनों का मकान धीरे-धीरे धंस रहा है। उनका कहना है कि एक-एक पैसा जोड़कर हमने यह मकान बनवाया था। हमारा मकान गिर रहा है तो हमारे ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सारी जमा पूंजी इसी में लग गई। सरकार की तरफसे हमें मुआवजा मिलना चाहिए। हालांकि उनका कहना है कि अधिकारियों ने इस पूरे मामले की जांच नगर आयुक्त को सौंपी है। लेकिन हमें अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला। पाइप लाइन से पानी निकलने की वजह से मकान की नींव लगातार धंसती जा रही है। ऐसे में यह मकान कभी भी धराशाई हो सकता है।

ऑनलाइन सट्टा खेलते हुये 02 शातिर जुआरी थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 20.12.2023 को थाना अतरसुइया क्षेत्रान्तर्गत स्थित हसन मंजिल लकड़ी की टाल के पास से 02 अभियुक्तों 1. अंकुश वर्मा पुत्र अमर सिंह वर्मा नि0 मनौरी बाजार थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी, 2. मो0 लइक पुत्र समी अहमद नि0 15 बैगन टोला थाना अतरसुइया प्रयागराज को मोबाइल में ऑनलाइन भाग्य लक्ष्मी लाटरी तथा सट्टा लगाते हुये गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 01 मोबाइल फोन (वीवो ड्ड21) व मालफड़ के 2120/- रुपये नकद बरामद किये गये । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 97/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-1. अंकुश वर्मा पुत्र अमर सिंह वर्मा नि0 मनौरी बाजार थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी, उम्र करीब 28 वर्ष । 2. मो0 लइक पुत्र समी अहमद नि0 15 बैगन टोला थाना अतरसुइया प्रयागराज, उम्र करीब 36 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 97/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-01 मोबाइल फोन (वीवो Y21) व मालफड़ के 2120/- रुपये नकदगिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-1.म0उ0नि0 अनीस फातमा, चौकी प्रभारी रानीमण्डी, थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 सुनील कुमार, थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 शहनवाज, थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।